हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 104 | जौनपुर, मंगलवार 09 जनवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

मुनु महावर की मालदीव के उच्चायुक्त के साथ हुई बैठक

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राजनयिक विवाद बढ़ने पर नई दिल्ली के रूख के बाद अब मालदीव की तरफ से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। कुछ ही घंटों बाद मालदीव ने भारतीय दूत को तलब किया है। भारत में मालदीव के राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब किया गया और मालदीव के कई मंत्रियों द्वारा पीएम मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई टिप्पणियों पर आपत्ति जताई थी। मालदीव सरकार ने मोदी के खिलाफ अपमानजनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर अपने तीन उप मंत्रियों को निलंबित कर दिया। तीनों उप मंत्रियों ने लक्षद्वीप की यात्रा के बाद एक्स पर प्रधानमंत्री के पोस्ट के लिए उनकी आलोचना की थी और कहा था कि यह केंद्र शासित प्रदेश को मालदीव के वैकल्पिक पर्यटन स्थल के रूप में पेश करने का एक प्रयास है। मालदीव की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, युवा मंत्रालय में उप मंत्रियों मालशा शरीफ, मरियम शिउना और अब्दुल्ला महजूम माजिद को उनके पदों से निलंबित कर दिया गया है।

विपक्षी दलों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली (एजेन्सी)। विपक्षी दलों ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्वागत किया जिसमें बिलकिस बानो बलात्कार मामले में 11 दोषियों की जल्द रिहाई की अनुमति देने के गुजरात सरकार के आदेश को रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि यह न्याय की जीत है और भाजपा पर महिला विरोधी होने और अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बिलकिस बानो का अथक संघर्ष ष्अहंकारीष भाजपा सरकार के खिलाफ न्याय की जीत का प्रतीक है। राहुल गांधी ने कहा कि चुनावी लाभ के लिए श्न्याय की हत्याश करने की प्रवृत्ति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरनाक है। आज सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने एक बार फिर देश को बताया कि श्अपराधियों का संरक्षकश कौन है। उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि आखिरकार न्याय की जीत हुई।

ओवैसी का पीएम मोदी पर तंज

नई दिल्ली (एजेन्सी)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के बिलकिस बानो फैसले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि भारत में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उनके वादे खोखले थे। बानो के बलात्कारियों को समय से पहले रिहा करने के लिए गुजरात सरकार को अदालत के कड़े शब्दों में जवाब का जिक्र करते हुए, ओवैसी ने दावा किया कि भाजपा सरकार ने राज्य में बलात्कारियों की मदद की। अपने बयान में ओवैसी ने कहा कि मैं पहले दिन से कह रहा हूं कि बीजेपी पीड़ित के साथ खड़े होने के बजाय हमेशा इस जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले अपराधियों के साथ खड़ी रही है। ये बिलकिस बानो ही हैं जिन्होंने इतनी बहादुरी से लड़ाई लड़ी और अपनी जान की बाजी भी लगा दी।

नई दिल्ली के कदम के बाद मालदीव का पलटवार

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राजनयिक विवाद बढ़ने पर नई दिल्ली के रूख के बाद अब मालदीव की तरफ से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। कुछ ही घंटों बाद मालदीव ने भारतीय दूत को तलब किया है।

भारत में मालदीव के राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब किया गया और मालदीव के कई मंत्रियों द्वारा पीएम मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई टिप्पणियों पर आपत्ति जताई थी। मालदीव सरकार ने मोदी के खिलाफ अपमानजनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर अपने तीन उप मंत्रियों को निलंबित कर दिया। तीनों उप मंत्रियों ने लक्षद्वीप की यात्रा के बाद एक्स पर प्रधानमंत्री के पोस्ट के लिए उनकी आलोचना की थी और कहा था कि यह केंद्र शासित प्रदेश को मालदीव के वैकल्पिक पर्यटन स्थल के रूप में पेश करने का एक प्रयास है।

किसानों की मुश्किलों के हल के लिए सरकार ने किए चौतरफा प्रयास
पीएम मोदी बोले- रोजगार और स्वरोजगार के बन रहे नए मौके

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बातचीत की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सभा को संबोधित भी किया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से विकसित भारत संकल्प यात्रा के कई लाभार्थियों ने भाग लिया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि 2–3 दिन पहले ही विकसित भारत संकल्प यात्रा ने अपने 50 दिन पूरे किए हैं। इतने कम समय में इस यात्रा से 11 करोड़ लोगों का जुड़ना अपने आप में अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि समाज में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकार खुद पहुंच रही है, उसे अपनी योजनाओं से जोड़ रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा सिर्फ सरकार की नहीं बल्कि देश की यात्रा बन चुकी है। सपनों, संकल्पों और भरोसे की यात्रा बन चुकी है। मोदी ने कहा कि हम देश की एक बहुत बड़ी आबादी को रोजमर्रा की छोटी–छोटी जरूरतों के लिए होने वाले संघर्षों से बाहर निकालना चाहते हैं। इसलिए हम गरीबों, महिलाओं, किसानों और युवाओं के भविष्य पर फोकस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का सबसे बड़ा मकसद है कि कोई भी हकदार सरकारी योजना के लाभ से छूटना नहीं चाहिए। कई बार जागरूकता की कमी से या दूसरे कारणों से कुछ लोग सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। ऐसे लोगों तक पहुंचना हमारी सरकार अपना दायित्व समझती है। इसलिए मोदी की गारंटी की ये गाड़ी गांव–गांव जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जबसे ये यात्रा शुरू हुई है, तबसे लगभग 12 लाख नए लाभार्थियों ने उज्ज्वला योजना के मुफ्त गैस कनेक्शन के लिए आवेदन किया है। कुछ दिन पहले मैं अयोध्या में उज्ज्वला की 10 करोड़वीं लाभार्थी बहन के घर गया था। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान 2 करोड़ से ज्यादा गरीबों के स्वास्थ्य की जांच हुई है। इसी समय में 1 करोड़ लोगों की ज्ठ की बीमारी की भी जांच हुई है। 22 लाख लोगों की सिकल सेल एनीमिया की जांच हुई है। ये सारे लोग गांव, गरीब, दलित, पिछड़े और आदिवासी समाज के लोग हैं। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि सरकार के इन प्रयासों का बहुत बड़ा लाभ हमारी करोड़ों माताओं बहनों को मिल रहा है। मोदी ने कहा कि आज महिलाएं खुद आगे आकर नए–नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। पहले ऐसी अनेक बहनें थीं, जिनके पास सिलाई, बुनाई, कढ़ाई जैसी कोई न कोई स्किल थी, लेकिन उनके पास अपना काम शुरू करने के लिए कोई साधन नहीं था। उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना ने उन्हें आने सपनें पूरे करने का भरोसा दिया है। आज गांव–गांव में रोजगार और स्वरोजगार के नए मौके बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में किसानों और कृषि नीति को लेकर जो चर्चाएं होती हैं, पहले की सरकारों में उनका दायरा भी बहुत सीमित था। किसान के सशक्तिकरण की चर्चा सिर्फ पैदावार और उसकी उपज की बिक्री के इर्दगिर्द ही सीमित रही। जबकि किसान को अपने दैनिक जीवन में भांति–भांति की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

सीट बंटवारे पर चर्चा के लिए कांग्रेस और आप की हुई बैठक

इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर चर्चा के लिए सोमवार को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच बैठक हुई

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर चर्चा के लिए सोमवार को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच बैठक हुई। राष्ट्रीय राजधानी में बैठक के दौरान दोनों दलों के कई नेता मौजूद थे। आप और कांग्रेस केंद्र में भाजपा सरकार को सत्ता से हटाने के लिए गठित विपक्ष के I-N-D-I-A ब्लॉक में भागीदार हैं। पिछले महीने दिल्ली में गठबंधन नेताओं की आखिरी बैठक के बाद विभिन्न दलों के बीच विभिन्न राज्यों के लिए सीट बंटवारे पर चर्चा शुरू हो गई है। कांग्रेस–आप की बैठक में कांग्रेस पार्टी की ओर से मुकुल वासनिक, अशोक गहलोत, मोहन प्रकाश, अरविंदर सिंह लवली मौजूद रहे जबकि आम आदमी पार्टी का प्रतिनिधित्व आतिशी, सौरभ भारद्वाज और संदीप पाठक ने किया। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद, जिनकी अदालत में सुनवाई थी, और भूपेश बघेल, जिन्होंने आज सुबह अपने पिता को खो दिया, बैठक में उपस्थित नहीं हो सके। यह बैठक लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली और पंजाब में दोनों पार्टियों के सीटों के बंटवारे पर चर्चा के लिए आयोजित की गई थी। दिल्ली में 7 लोकसभा सीटें हैं जबकि पंजाब में 13 सीटें हैं। बैठक के बाद कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि जब इतना बड़ा गठबंधन बनता है तो हर पार्टी को त्याग करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अगर गठबंधन सफल होता है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगली बार सत्ता में नहीं लौटेंगे। उन्होंने कहा कि किसी को भी किसी की बातों में नहीं आना चाहिए। जब इतना बड़ा गठबंधन बनता है तो सभी को समझौता करना पड़ता है, त्याग करना पड़ता है। कांग्रेस ने पहल की है और पूरे देश में अच्छा संदेश गया है और प्रक्रिया आगे बढ़ रही है...अगर गठबंधन सफल होता है तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि पीएम मोदी अगली बार सरकार नहीं बना पाएंगे। बैठक के बाद, कांग्रेस नेता मुकुल वासनिक ने चर्चा को बहुत सार्थक बताया और कहा कि भविष्य में भी आप के साथ चर्चा होगी क्योंकि वह विपक्षी गठबंधन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि मुलाकात बहुत सार्थक रही। सीटों के तालमेल को लेकर दोनों पार्टियों ने अपनी बात रखी। जल्द ही आम आदमी पार्टी के साथ सीटों का तालमेल हो जाएगा। आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन की एक महत्वपूर्ण और मजबूत पार्टी है। आगे आप से और भी चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि अगर गठबंधन सफल होता है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगली बार सत्ता में नहीं लौटेंगे। उन्होंने कहा कि किसी को भी किसी की बातों में नहीं आना चाहिए।

आप नेता संजय सिंह, राज्यसभा चुनाव के लिए किया नामांकन

राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच व्यक्तिगत रूप से राज्यसभा में अपने पुन: नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर करने की अनुमति दी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया है, दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच व्यक्तिगत रूप से राज्यसभा में अपने पुनः नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर करने की अनुमति दी है। पिछले हफ्ते शुक्रवार को आप की राजनीतिक मामलों की समिति ने संजय सिंह और एनडी गुप्ता को उच्च सदन में सांसद के रूप में उनके दूसरे कार्यकाल के लिए जारी रखने का फैसला किया था। राज्य सभा का चुनाव 19 जनवरी को होगा। उन्होंने सिविल लाइंस में एक पुलिस वैन में पहुंचकर अपना नामांकन दाखिल किया। उनकी पत्नी अनीता सिंह कहती हैं, ...पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद वह उत्साह से भर गए... हमें न्यायपालिका पर भरोसा है, वह जल्द ही रिहा होंगे और संसद में वापस जाएंगे।ष सिंह को दिल्ली की एक अदालत ने राज्यसभा के लिए फिर से नामांकन के लिए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने की अनुमति दी थी, क्योंकि उनका वर्तमान कार्यकाल 27 जनवरी को समाप्त होने वाला है। आप नेता को उनके वर्तमान कार्यकाल की समाप्ति से पहले पार्टी द्वारा नामित किया गया था। इस संबंध में, एक श्अंडरटेकिंगश पर सिंह के हस्ताक्षर लेने की अनुमति के लिए दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में एक आवेदन दायर किया गया था, जिसे राज्यसभा से आवेदक (संजय सिंह) के लिए श्नो ड्यूज सर्टिफिकेट प्राप्त करने के संबंध में आवश्यक बताया गया है। सिंह ने गुरुवार को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। संजय सिंह को पिछले साल 4 अक्टूबर को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। पिछले साल 22 दिसंबर को ट्रायल कोर्ट ने उनकी जमानत खारिज कर दी थी। ट्रायल कोर्ट ने कहा था कि कोर्ट का प्रथम दृष्टया मानना है कि उनके खिलाफ मामला वास्तविक है। साक्ष्य मनी लॉन्ड्रिंग के कथित अपराध में उनकी संलिप्तता को दर्शाते हैं। यह मानने के लिए उचित आधार हैं कि वह मनी लॉन्ड्रिंग के कथित अपराध का दोषी है। दिल्ली आबकारी नीति मामले में जेल में बंद आम आदमी पार्टी (आप) नेता संजय सिंह राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल करने के लिए जेल से बाहर आए. उन्होंने सिविल लाइंस में एक पुलिस वैन में पहुंचकर अपना नामांकन दाखिल किया.।

बिलकिस बानो मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का कांग्रेस ने किया स्वागत किया

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि आखिरकार न्याय की जीत हुई

नई दिल्ली (एजेन्सी)। एक ऐतिहासिक फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने 8 जनवरी को 2002 के दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ सामूहिक बलात्कार के दोषी 11 लोगों को गुजरात सरकार द्वारा दी गई छूट के आदेश को रद्द कर दिया। अदालत ने राज्य की कमी का हवाला देते हुए उन्हें दो सप्ताह के भीतर जेल लौटने का आदेश दिया। इसकी को लेकर अब राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी आ रही हैं। फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि आखिरकार न्याय की जीत हुई। कांग्रेस नेता ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि अंततः न्याय की जीत हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात दंगों के दौरान गैंगरेप की शिकार बिलकिस बानो के आरोपियों की रिहाई रद्द कर दी है। इस आदेश से भारतीय जनता पार्टी की महिला विरोधी नीतियों पर पड़ा हुआ पर्दा हट गया है। उन्होंने कहा कि इस आदेश के बाद जनता का न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूत होगा। बहादुरी के साथ अपनी लड़ाई को जारी रखने के लिए बिल्किस बानो को बधाई। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि गुजरात सरकार द्वारा 11 बलात्कारियों की रिहाई को रद्द करने वाला सुप्रीम कोर्ट का फैसला ष्महिलाओं के प्रति भाजपा की क्रूर उपेक्षा को उजागर करता है। एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस ने कहा कि बिलकिस बानो के बलात्कारी फिर से जेल जाएंगे, ठश्रच सरकार ने इन बलात्कारियों की रिहाई करवाई थी। बिलकिस बानो केस में आया सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक है। यह फैसला गुजरात की ठश्रच सरकार द्वारा बिलकिस बानो के बलात्कारियों की रिहाई करने के महिला विरोधी कृत्य को उजागर करता है। यह बताता है कि महिलाओं को लेकर ठश्रच की सोच कितनी घृणित है। उच्चतम न्यायालय ने गुजरात में 2002 के दंगों के दौरान बिलकिस बानो से सामूहिक दुष्कर्म और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में 11 दोषियों को सजा से छूट देने के राज्य सरकार के फैसले को सोमवार को यह कहकर रद्द कर दिया कि आदेश ''घिसा पिटा'' था और इसे बिना सोचे–समझे पारित किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बिलकिस बानो मामले में फैसला सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मामले की सुनवाई करते हुए 11 दोषियों की रिहाई रद्द कर दी है। इस पर कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि, अंततः न्याय की जीत हुई है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा कि, अंततः न्याय की जीत हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात दंगों के दौरान गैंगरेप की शिकार रुठपसापेठंदव के आरोपियों की रिहाई रद्द कर दी है। इस आदेश से भारतीय जनता पार्टी की महिला विरोधी नीतियों पर पड़ा हुआ पर्दा हट गया है। इस आदेश के बाद जनता का न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूत होगा। बहादुरी के साथ अपनी लड़ाई को जारी रखने के लिए बिल्किस बानो को बधाई।

सिर्फ राम मंदिर ही नहीं योगी सरकार ने पूरी रामनगरी का कायाकल्प कर दिया है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। चार वेद, चार युग की प्रेरणा से योगी सरकार में बने चार पथों ने अवधपुरी के वृहद कायाकल्प का मार्ग प्रशस्त किया है। योगी सरकार के नेतृत्व में पुरातन वैभव को आधुनिक जीवनशैली के अनुरूप ढालकर अयोध्या में कायाकल्प करने का मार्ग सुनिश्चित किया जा रहा है।

यहां के चार प्रमुख पथ भक्ति पथ, जन्मभूमि पथ, राम पथ व धर्म पथ चार वेदों और चार युगों की अवधारणा पर विकसित किए गए हैं, जिन्हें म्यूरल पेंटिंग, वॉल पेंटिंग, पेबल स्टोन स्कल्चर, आधुनिक लाइटिंग, वाई–फाई कनेक्टिविटी समेत सौर ऊर्जा के उचित प्रयोग से वैश्विक प्रतिमान गढ़ने के अनुरूप बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि डबल इंजन की सरकार ने अयोध्या के विकास को तीव्र गति दी, वहीं 2017 के पहले नागरिक सुविधा के तौर पर उबड़–खाबड़ गड्ढेयुक्त अल्पविकसित सिंगल लेन सड़कें व संकरी गलियां ही अयोध्या की नियति बनकर प्रत्यक्ष तौर पर सकल विश्व की राजधानी की पराभव गाथा को बयां करती थी।

वर्षों के पराभव के बाद अब अयोध्या जिस तेजी से विकास के नए प्रतिमान गढ़ रही है तथा वर्ष 2047 तक आध्यात्मिक राजधानी के तौर पर अपनी पहचान को पुख्ता करने के लिए सतत विकास की प्रक्रिया से गुजर रही है, निश्चित तौर पर डबल इंजन की सरकार व सीएम योगी आदित्यनाथ का कुशल नेतृत्व ही इसे संभव बना सकता है।

आप विधायक से मिले सीएम केजरीवल, कहा- भाजपा को गुजरात से उखाड़ फेंकना है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को जेल में बंद आम आदमी पार्टी (आप) के गुजरात कार्यकारी अध्यक्ष और डेडियापाड़ा विधायक चौतर वसावा और उनकी पत्नी शकुंतला वसावा से राजपीपला उप–जेल में मुलाकात की। 30 अक्टूबर, 2023 को वन अधिकारियों पर जबरन वसूली और हमले के एक कथित मामले में गिरफ्तारी के बाद से दंपति उप–जेल में बंद हैं। आप नेताओं ने दावा किया कि सत्तारूढ़ भाजपा का "अत्याचार और तानाशाही" ने सारी हदों को पार कर लिया है। केजरीवाल ने कहा कि चौतर वसावा, उनकी पत्नी और आदिवासी समाज की बहू को गुजरात की भाजपा सरकार ने फर्जी केस में गिरफ्तार किया है। आदिवासी समाज में बहुत रोष है। चौतर वसावा अपने लोगों के जल, जंगल, जमीन, स्कूल और अस्पताल के लिए लड़ते आए हैं। उनकी गिरफ्तारी का लोग बदला लेंगे, भाजपा को गुजरात से उखाड़ फेंकेंगे। उन्होंने कहा कि हम चौतर वसावा और शकुंतलाबेन से मिले...वे ठीक हैं, स्वस्थ हैं, उनका हौसला बुलंद है और वे लड़ेंगे और संघर्ष करेंगे। आखिरकार हमें भाजपा को गुजरात से उखाड़ फेंकना है और ये काम जनता करेगी क्योंकि इनका अत्याचार और तानाशाही का घड़ा भर चुका है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि विधायक को जेल में डाल दिया गया क्योंकि उन्होंने जनता को प्रभावित करने वाले मुद्दे उठाए।

बीएनपी किया चुनाव का बहिष्कार, बांग्लादेश में फिर एक बार हसीना सरकार

नई दिल्ली (एजेन्सी)। बांग्लादेश के आम चुनावों में कमतर मतदान और बहिष्कार के बीच निवर्तमान प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपनी अवामी लीग पार्टी को चुनावों में पूर्ण बहुमत हासिल करने के बाद कार्यालय में अपना पांचवां कार्यकाल हासिल कर लिया है। मतदान होने के बाद वोटों की गिनती में अवामी लीग ने शुरुआती बढ़त बनाते हुए 224 सीटों में से 216 सीटें जीत लीं। देश के चुनाव आयोग ने कहा कि बाकी सीटों का नतीजा अभी भी अघोषित है। प्रधानमंत्री के रूप में अपने पांचवें कार्यकाल के लिए निर्वाचित होने के बाद, शेख हसीना दुनिया की सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाली महिला राष्ट्र प्रमुख बन गई हैं। बांग्लादेश चुनाव और उसके नतीजों के बारे में आपको विस्तार से बताते हैं। बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने देश के आम चुनाव में लगातार चौथी बार जीत हासिल की है, जबकि देश की प्रधानमंत्री के रूप में हसीना का यह कुल मिलाकर पांचवां कार्यकाल है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, अवामी लीग प्रमुख हसीना ने अपनी पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को 12वें आम चुनाव के नतीजों की घोषणा के बाद कोई विजय जुलूस नहीं निकालने का निर्देश दिया है।

रणदीप हुडां ने स्वतंत्रवीर सावरकर मुक्ति शताब्दी यात्रा को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर में स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर का किरदार निभाने के लिए तैयार अभिनेता रणदीप हुडा ने स्वतंत्रवीर सावरकर मुक्ति शताब्दी यात्रा को हरी झंडी दिखाई। पुणे की यरवदा सेंट्रल जेल, 6 जनवरी 1924 को विनायक दामोदर सावरकर को जेल से रिहा कर दिया गया। रणदीप ने एएनआई को बताया आज एक बहुत ही ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि आज सावरकर जी को जेल से रिहा हुए 100 साल हो गए हैं और उन्हें रत्नागिरी में नजरबंद रखा गया था और जिला नजरबंदी में रखा गया था। जिस दिन वह इस जेल से निकले, वह पहले बॉम्बे गए और फिर रत्नागिरी गए, जहां वह अगले तेरह वर्षों तक प्रतिबंधित आंदोलन में रहे। उन्होंने कहा, "वह हमारे देश के ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानी हैं, जिनके बारे में लोग बहुत कम जानते हैं। मुझे उम्मीद है कि मेरी फिल्म के जरिए लोग उनके बारे में और जानेंगे।श अगर आप उनके बारे में विस्तार से पढ़ेंगे तो आपको पता चलेगा कि देश के लिए उनका योगदान बहुत बड़ा था। लोगों के मन में उनके बारे में जो भी गलत अवधारणाएं हैं, एक बार फिल्म देखें और उनके बारे में पढ़ें फिर निर्णय लें। विनायक दामोदर सावरकर का जन्म 28 मई, 1883 को महाराष्ट्र के नासिक शहर के पास भागुर गाँव में दामोदर और राधाबाई सावरकर के मराठी चितपावन ब्राह्मण हिंदू परिवार में हुआ था।

सम्पादकीय

इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे की राह में बड़ी बाधा बन गयी प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी

विपक्षी गठबंधन इंडिया की चार बैठकों के बावजूद सीटों के तालमेल और प्रधानमंत्री पद की दावेदारी का मुद्दा उलझने से लोकसभा चुनाव में भाजपा से मजबूती से संयुक्त रूप से मुकाबला करने पर संशय बना हुआ है। गठबंधन के दल अपनी सुविधा के हिसाब से चुनावी गणित लगा रहे हैं। क्षेत्रीय दल राज्यों के हिसाब से सीटों की दावेदारी जता रहे हैं। कोई भी दल यह नहीं चाहता कि उसके प्रभाव वाले राज्य में कांग्रेस या अन्य दलों से सीटों की शेयरिंग की जाए। यही कारण है कि विपक्षी एकता पर अभी तक सवालिया निशान लगे हुए हैं। इंडिया गठबंधन की बैठक में शिवसेना ने 23 सीटों पर अपना दावा किया। उद्धव गुट ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में उनके उम्मीदवारों ने काफी सीटें जीतीं थीं लेकिन अभी ज्यादातर उम्मीदवार एकनाथ शिंदे कैंप में जा चुके हैं। कांग्रेस ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र में 23 सीटों की सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) की मांग को खारिज कर दिया। महाराष्ट्र के कांग्रेस नेताओं का कहना था कि शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना में बगावत होने के बाद कांग्रेस ही राज्य में सबसे पुरानी पार्टी बची है। पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने कहा कि पार्टियों के बीच समायोजन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हालांकि हर पार्टी सीटों की बड़ी हिस्सेदारी चाहती है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए शिवसेना की 23 सीटों की मांग काफी ज्यादा है। कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने उद्धव ठाकरे की यूबीटी की 23 संसदीय सीटों की मांग पर तंज कसते हुए कहा कि शिवसेना 23 सीटों की मांग कर सकती है, लेकिन वे उनका क्या करेंगे? शिवसेना के नेता चले गए हैं, जिससे संकट पैदा हो गया है। उम्मीदवारों की कमी शिवसेना के लिए एक समस्या है। वर्ष 2019 में अविभाजित शिवसेना बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का हिस्सा थी। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी अब एमवीए का हिस्सा है, जिसमें कांग्रेस और एनसीपी शामिल हैं। जून 2022 में एकनाथ शिंदे और 40 अन्य विधायकों ने शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह कर दिया था, जिससे पार्टी में विभाजन हो गया और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई। इसके बाद शिंदे ने राज्य में सरकार बनाने के लिए बीजेपी से हाथ मिला लिया। इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग का इंतजार किए बगैर ही समाजवादी पार्टी भी उत्तर प्रदेश में इलेक्शन की तैयारी कर रही है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन की जीत को लेकर बड़ा दावा कर दिया। अखिलेश यादव के मुताबिक अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर जीत दर्ज करेगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी हुई है। इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटें जीतेगा। पूर्व सीएम ने ये भी कहा कि 80 सीटें जीतकर बीजेपी को सत्ता से बाहर करना है। सपा अध्यक्ष के बयान से जाहिर है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के लिए कोई स्थान नहीं बचा है। अर्थात कांग्रेस को अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। हालांकि कांग्रेस ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की है। लेकिन यह निश्चित है कि अखिलेश यादव आसानी से कांग्रेस से सीट शेयरिंग करने को तैयार नहीं होंगे। दरअसल कांग्रेस नहीं चाहती कि बैठक में कोई ठोस निर्णय से पहले किसी तरह की जल्दबाजी करे। ऐसे में विपक्ष की एकता के बिखराव का ठीकरा कांग्रेस के सिर फूटेगा। इसी से कांग्रेस फिलहाल बचना चाहती है। सीट शेयरिंग का मुद्दा इंडिया गठबंधन के लिए सुलझाना आसान नहीं है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अध्यक्ष ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन को लेकर कहा कि इंडिया गठबंधन देशभर में बीजेपी से मुकाबला करेगा। बंगाल में इस लड़ाई का नेतृत्व टीएमसी करेगी। इससे जाहिर है कि ममता ने कांग्रेस को साफ संदेश दे दिया है कि पश्चिम बंगाल में सीट शेयरिंग का मुगालता नहीं पाले। इस पर भी कांग्रेस की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। कांग्रेस के लिए बिहार में भी सीट शेयरिंग के दरवाजे आसानी से खुलने की संभावना नहीं है। ममता और अखिलेश की तरह बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार भी इस बात के समर्थक रहे हैं कि जिन राज्यों में जिन दलों का प्रभाव है, अर्थात पिछले लोकसभा चुनाव में जिस दल की सीटें जितनी हैं, उस हिसाब से सीट शेयरिंग की जाए। ऐसे में बिहार में कांग्रेस के लिए तालमेल बिठाना मुश्किल है। कमोबेश यही स्थिति अरविन्द केजरीवाल की पार्टी आप की है। केजरीवाल भी कांग्रेस को दिल्ली और पंजाब से बाहर रखना चाहते हैं। केजरीवाल की पार्टी के अन्य नेता इस बात के संकेत दे चुके हैं, यदि समझौता हुआ भी तो कांग्रेस के हिस्से में नाममात्र की सीटे ही आएंगी। सीट शेयरिंग की तरह ही प्रधानमंत्री पद का मुद्दा भी विपक्षी एकता की कवायद को आगे बढ़ाने में मुश्किल पैदा कर रहा है।

अच्छी टेक्नोलॉजी सनराइज व सनसेट के बीच ब्रिज जैसी होनी चाहिए

मैं दुबई में अपने दोस्त के घर सुबह की कॉफी पी रहा था। मैंने अपने मित्र कृष्णन की पत्नी लक्ष्मी को उनकी मां से बात करते हुए सुना कि अपने हाल ही में प्राप्त पासपोर्ट की स्कैन की गई प्रतियां कैसे भेजें, ताकि उन्हें यात्रा वीजा स्वीकृत कराने के लिए अपलोड किया जा सके। केरल के कुमारपुरम् गांव के दूसरे छोर पर रहने वालीं वे बुजुर्ग महिला शायद ही मोबाइल से स्कैन करने और तस्वीर लेने का अंतर समझती थीं। मोबाइल के जरिए हमारे जीवन में घुसपैठ कर चुकी तकनीकी के कारण फोटोकॉपी की अधिकांश दुकानें और एसटीडी बूथ अब बंद हो गए हैं। वे अपनी कठिनाई समझा रही थीं कि उन्हें पासपोर्ट स्कैन कराने के लिए गांव के ही किसी व्यक्ति को ढूंढना होगा। कुमारपुरम्– जहां के हर घर से कम से कम दो लोग खाड़ी देशों में गए हैं– में एसटीडी और फोटोकॉपी का व्यवसाय पहले बहुत फलता–फूलता था, लेकिन पिछले दस वर्षों में ये सुविधाएं दुर्लभ होती चली गई हैं। क्योंकि हमारे हाथ में मोबाइल आ गया है। इसने मुझे इस गांव से 300 किमी दूर एलिकुलम नामक एक अन्य गांव की याद दिलाई, जो देश का पहला ऐसा पंचायत स्तर का ग्राम बन गया है, जिसके पंचायत कार्यालय में जनता के स्वागत के लिए रोबोट तैनात है। अगली बार जब आप एलिकुलम पंचायत कार्यालय जाएंगे तो एलिना हाथ जोड़कर आपका स्वागत करेगी और मुस्कराते हुए गर्मजोशी से नमस्कारम् कहेगी। एलिना मलयालम बोलती है और उसके सामने एक टच स्क्रीन है, जिसकी मदद से लोग अपनी इच्छित सेवाएं चुन सकते हैं। उनके द्वारा सेवा का चयन करने के बाद एलिना उन्हें उसके और उस काउंटर के बारे में जानकारी देती है, जहां से वे वह सेवा प्राप्त कर सकते हैं। पंचायत आने वाले लोग विभिन्न मुद्दों को लेकर आते हैं। समय के साथ एलिना को लक्ष्मी की मां के सामने उपस्थित हुई समस्या जैसे पेचीदा मुद्दों को समझने के लिए अपग्रेड किया जा रहा है। एलिना को स्थानीय सेंटगिट्स कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की प्रोजेक्ट टीम द्वारा विकसित किया गया था। जब ग्राम पंचायत एक रोबोट के लिए 18 लाख रुपए की लागत का वहन नहीं कर सकी, तो ये छात्र आगे बढ़े और 3.5 लाख रुपयों में एलिना का निर्माण कर दिया। वह अब भी ट्रायल रन पर है, क्योंकि भविष्य में उसके माध्यम से जनता को कई और सेवाएं प्रदान करने की गुंजाइश है– खासकर उनके लिए जो जीवन की संध्यावेला में हैं। जो लोग वरिष्ठ नागरिक (60 वर्ष) और अति वरिष्ठ नागरिक (80 वर्ष या उससे अधिक) की श्रेणी में आते हैं, उनके लिए बैंक की कतार में खड़े होकर पासबुक अपडेट कराने जैसी गतिविधियां ऐसा काम हैं, जिसका वे आनंद लेते हैं। ऐसी छोटी–मोटी चीजें करके– जिन्हें युवा पीढ़ी अपने मोबाइल फोन से ही कर देती है– वे खुद को परिवार के लिए उपयोगी महसूस करते हैं। किसी बुजुर्ग से यह सरल–सी गतिविधि छीन लें और देखें कि वह कितना उदास हो जाएगा। मुझे लगता है, एलिना को बैंक में मुस्कराते हुए चेहरे के साथ पासबुक प्रिंट करने में मदद करनी चाहिए, बनिस्बत हमेशा नाराज नजर आने वाले उस क्लर्क के जो भले ही पान चबा रहा हो, लेकिन हाव–भाव से ऐसा जताता है, जैसे उस पर काम का बहुत दबाव हो। टेक्नोलॉजी विकसित करने वाले युवाओं को केवल अपनी सुविधा पर ही ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए।

अब भी आर्थिक वृद्धि के लाभ से वंचित है बड़ी आबादी

पी. चिदंबरम

वर्ष 2024 का पहला कॉलम होने के कारण सबसे पहले मैं नए साल की शुभकामनाएं व्यक्त करता हूं। खुशी दरअसल विभिन्न चीजों का मिश्रण है। इस देश के अलग–अलग हिस्सों को मिलाकर लगभग 142 करोड़ लोग रहते हैं और मेरी चिंता यह है कि इनमें से कितने लोग सुखी हैं और कितने लोग सुखी नहीं हैं। पिछले दिनों मैंने कई लेख पढ़े, जो सरकार के इस दावे को मजबूती प्रदान करती थी कि हर आदमी खुश है। उन लेखकों का दावा है कि लोग खुश इसलिए हैं, क्योंकि देश में अभूतपूर्व आर्थिक विकास हुआ है, जिसका लाभ हर क्षेत्र के लोगों को मिल रहा है। मैं यह नहीं कहता कि आर्थिक वृद्धि नहीं हुई है, लेकिन निश्चित तौर पर यह वृद्धि अभूतपूर्व नहीं है। आर्थिक वृद्धि का सुनहरा दौर तो पूर्ववर्ती यूपीए सरकार में 2005 से 2008 की तीन वर्षों की वह अवधि में था, जब अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर क्रमशरू 9.5, 9.6 और 9.3 फीसदी सालाना थी। जबकि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री काल के पिछले नौ वर्षों में औसत वृद्धि दर 5.7 प्रतिशत रही है। अगर मौजूदा वित्त वर्ष में 6.5 फीसदी की अनुमानित वृद्धि दर को भी इसमें जोड़ लें, तो औसत वृद्धि दर 5.8 प्रतिशत होगी। यह वृद्धि दर न तो अभूतपूर्व है और न ही शानदार। यह संतोषजनक वृद्धि दर है, लेकिन न तो सुदूरप्रसारी है और न ही पर्याप्त। सरकार की आर्थिक नीति प्रत्यक्ष करों को कम रखने, अप्रत्यक्ष करों को ज्यादा व दबाव भरा बनाए रखने तथा वर्चस्ववादी उपायों का मिला–जुला स्वरूप है। सड़क, रेलवे, बंदरगाह और हवाई अड्डे जैसे ढांचागत क्षेत्रों में पूंजी निवेश ज्यादा है, जबकि शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा में आवंटन कम है, और महिला विकास जैसे कुछ क्षेत्रों में सब्सिडी की सुविधा है। ऐसे में, संतोषजनक वृद्धि दर ने समाज के कुछ क्षेत्रों को खुश किया है। मैं इन संतुष्ट क्षेत्रों के बारे में बता सकता हूं। ये हैं रू बड़े और मध्यम आकार के कॉरपोरेट्स, मोटी आय वाले लोग, बैंकर्स, शेयर बाजार के निवेशक, व्यापारी और दलाल, नीलामी की वस्तुएं खरीदने वाले, सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स, बड़े व्यापारी और जज, चार्टर्ड अकाउंटेंट, डॉक्टर तथा वकील, कॉलेज और विश्वविद्यालयों के शिक्षक, सरकारी कर्मचारी, धनी किसान और साहूकार। इस तस्वीर का स्याह पक्ष यह है कि इसमें कई क्षेत्रों के लोग पीछे छूट गए हैं–कुछ क्षेत्रों के लोग तो गिनती में ही नहीं हैं–और ऐसे तमाम क्षेत्रों को मिला दिया जाए, तो यह बहुत बड़ी आबादी है। इनमें वे 82 करोड़ भारतीय हैं, जिन्हें हर महीने प्रति व्यक्ति पांच किलोग्राम मुफ्त राशन मिलता है। मुफ्त राशन योजना कोई गर्व की चीज नहीं है, जिससे देश की आर्थिक उन्नति या समृद्धि मापी जा सके। मुफ्त राशन योजना दरअसल दूर–दूर तक व्याप्त कुपोषण और कुछ जगहों पर जनता में व्याप्त भूख के बारे में ही बताती है। देश के आधे परिवार

यह संतोषजनक वृद्धि दर है, लेकिन न तो सुदूरप्रसारी है और न ही पर्याप्त। सरकार की आर्थिक नीति प्रत्यक्ष करों को कम रखने, अप्रत्यक्ष करों को ज्यादा व दबाव भरा बनाए रखने तथा वर्चस्ववादी उपायों का मिला–जुला स्वरूप है। सड़क, रेलवे, बंदरगाह और हवाई अड्डे जैसे ढांचागत क्षेत्रों में पूंजी निवेश ज्यादा है, जबकि शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा में आवंटन कम है, और महिला विकास जैसे कुछ क्षेत्रों में सब्सिडी की सुविधा है। ऐसे में, संतोषजनक वृद्धि दर ने समाज के कुछ क्षेत्रों को खुश किया है। मैं इन संतुष्ट क्षेत्रों के बारे में बता सकता हूं। ये हैं रू बड़े और मध्यम आकार के कॉरपोरेट्स, मोटी आय वाले लोग, बैंकर्स, शेयर बाजार के निवेशक, व्यापारी और दलाल, नीलामी की वस्तुएं खरीदने वाले, सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स, बड़े व्यापारी और जज, चार्टर्ड अकाउंटेंट, डॉक्टर तथा वकील, कॉलेज और विश्वविद्यालयों के शिक्षक, सरकारी कर्मचारी, धनी किसान और साहूकार। इस तस्वीर का स्याह पक्ष यह है कि इसमें कई क्षेत्रों के लोग पीछे छूट गए हैं–कुछ क्षेत्रों के लोग तो गिनती में ही नहीं हैं–और ऐसे तमाम क्षेत्रों को मिला दिया जाए, तो यह बहुत बड़ी आबादी है। इनमें वे 82 करोड़ भारतीय हैं, जिन्हें हर महीने प्रति व्यक्ति पांच किलोग्राम मुफ्त राशन मिलता है।

चावल या गेहूं खरीद सकने में समर्थ क्यों नहीं हैं? इसका जवाब है कम आय या बेरोजगारी। सरकार के पास इन दो ज्वलंत मुद्दों का हल निकालने की कोई नीति नहीं है। परिवारों की कम आय का हल निकालने के लिए मनरेगा जैसी एक योजना है। लेकिन इस योजना के प्रति इस सरकार की उपेक्षा बिल्कुल शुरुआत से ही स्पष्ट है। अप्रैल, 2022 से सरकार ने मनरेगा में पंजीकृत कामगारों की सूची से 7.6 करोड़ नाम हटा दिए हैं। मानो यही काफी न हो, पंजीकृत कामगारों में से भी एक तिहाई (यानी 8.9 करोड़) और कुल सक्रिय कामगारों का आठवां हिस्सा (यानी 1.8 करोड़) आधार केंद्रित भुगतान व्यवस्था लागू होने के कारण मनरेगा के तहत काम करने में असमर्थ हैं। मनरेगा की मदद छिन जाने से इतने सारे परिवारों के इतने लोग किस तरह अपना गुजर–बसर कर रहे हैं? इन लोगों के लिए जीवन यापन बेहद कठिन है, लिहाजा खुशहाल तो ये कतई नहीं हैं। देश में एक और बड़ी आबादी खुश नहीं है। ये वे लोग हैं, जिनके पास कोई रोजगार नहीं है। सरकार अब रोजगार सृजन की बात नहीं करती। उसका मानना है कि स्व रोजगार में हो रही वृद्धि की बात कहकर वह लोगों को भुलावा दे सकती है। जिस देश में बच्चे सात से आठ साल तक स्कूलों में, और वह भी बगैर किसी कौशल प्रशिक्षण के गुजारते हैं, उस देश में स्वरोजगार का एक अर्थ बेरोजगारी भी है। जो स्त्री–पुरुष स्वरोजगार में हैं भी, उनकी आय या मजदूरी नौकरी कर रहे लोगों के वेतन की तुलना में कुल मुद्रास्फीति से कम है। यही नहीं, स्वरोजगार में अन्य कोई सुविधा या सामाजिक सुरक्षा भी नहीं है। हमारे यहां युवा बेरोजगारी की दर 10 फीसदी है, जबकि 25 वर्ष तक की आयु वाले स्नातकों में बेरोजगारी की दर 42 प्रतिशत है। ये लोग खुश तो नहीं ही होंगे। नाखुश लोगों का एक और वर्ग है। ये लोग मुद्रास्फीति के मारे हुए हैं। इस श्रेणी में शीर्ष के उन 10 फीसदी लोगों को छोड़कर, जिनके पास देश की कुल संपत्ति का 60 फीसदी है और जो राष्ट्रीय आय का 57 प्रतिशत कमाते हैं, देश की पूरी आबादी है। वर्ष 2022 में औसत मुद्रास्फीति 6.7 प्रतिशत थी। वर्ष 2023 में साल के चार महीने तक मुद्रास्फीति ने दो से छह फीसदी की ऊपरी सीमा का अतिक्रमण किया। नवंबर, 2023 में मुद्रास्फीति 5.5 प्रतिशत थी। फिलहाल खाद्य मुद्रास्फीति 7.7 फीसदी है। रिजर्व बैंक ने दिसंबर, 2023 के अपने मासिक बुलेटिन में कहा, 'मुद्रास्फीति लक्ष्य की तुलना में ऊंची रहेगी।' मुद्रास्फीति के कारण उपभोग और घरेलू बचत में कमी आई है, जबकि परिवारों द्वारा लिया जाने वाला कर्ज बढ़ा है। सरकार ने मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने की अपनी जिम्मेदारी त्याग दी है और यह दायित्व उसने रिजर्व बैंक के मत्थे मढ़ दिया है। गरीबों पर से महंगाई का बोझ हटाने के लिए अप्रत्यक्ष करों में कमी करना भी प्रतिकूल कदम होगा, क्योंकि मुझे संदेह है कि इससे लक्षित राजकोषीय घाटे तक पहुंचने में मदद मिलेगी। मोदी सरकार के दौर में जो सामान्य आर्थिक वृद्धि दर हासिल हुई है, उसका लाभ भी देश की बड़ी आबादी को नहीं मिल पाया है, क्योंकि मुद्रास्फीति और बेरोजगारी का हल निकालने में सरकार विफल साबित हुई है। इसके अलावा सरकार की नीति भी 'अमीरों की, अमीरों द्वारा और अमीरों के लिए' है। यह नीति भी अमीरों में संपत्ति के केंद्रीकरण तथा एकाधिकार नहीं, तो अल्पाधिकार को तो प्रोत्साहित करती ही है। मेरा मानना है कि नए साल में कुछ लोग खुश रहेंगे, लेकिन देश की बड़ी आबादी नाखुश ही रहेगी। यह संतोषजनक वृद्धि दर है, लेकिन न तो सुदूरप्रसारी है और न ही पर्याप्त। सरकार की आर्थिक नीति प्रत्यक्ष करों को कम रखने, अप्रत्यक्ष करों को ज्यादा व दबाव भरा बनाए रखने तथा वर्चस्ववादी उपायों का मिला–जुला स्वरूप है। सड़क, रेलवे, बंदरगाह और हवाई अड्डे जैसे ढांचागत क्षेत्रों में पूंजी निवेश ज्यादा है, जबकि शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा में आवंटन कम है, और महिला विकास जैसे कुछ क्षेत्रों में सब्सिडी की सुविधा है। ऐसे में, संतोषजनक वृद्धि दर ने समाज के कुछ क्षेत्रों को खुश किया है। मैं इन संतुष्ट क्षेत्रों के बारे में बता सकता हूं। ये हैं रू बड़े और मध्यम आकार के कॉरपोरेट्स, मोटी आय वाले लोग, बैंकर्स, शेयर बाजार के निवेशक, व्यापारी और दलाल, नीलामी की वस्तुएं खरीदने वाले, सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स, बड़े व्यापारी और जज, चार्टर्ड अकाउंटेंट, डॉक्टर तथा वकील, कॉलेज और विश्वविद्यालयों के शिक्षक, सरकारी कर्मचारी, धनी किसान और साहूकार। इस तस्वीर का स्याह पक्ष यह है कि इसमें कई क्षेत्रों के लोग पीछे छूट गए हैं–कुछ क्षेत्रों के लोग तो गिनती में ही नहीं हैं–और ऐसे तमाम क्षेत्रों को मिला दिया जाए, तो यह बहुत बड़ी आबादी है। इनमें वे 82 करोड़ भारतीय हैं, जिन्हें हर महीने प्रति व्यक्ति पांच किलोग्राम मुफ्त राशन मिलता है। मुफ्त राशन योजना कोई गर्व की चीज नहीं है, जिससे देश की आर्थिक उन्नति या समृद्धि मापी जा सके। मुफ्त राशन योजना दरअसल दूर–दूर तक व्याप्त कुपोषण और कुछ जगहों पर जनता में व्याप्त भूख के बारे में ही बताती है। देश के आधे परिवार चावल या गेहूं खरीद सकने में समर्थ क्यों नहीं हैं? इसका जवाब है कम आय या बेरोजगारी। सरकार के पास इन दो ज्वलंत मुद्दों का हल निकालने की कोई नीति नहीं है। परिवारों की कम आय का हल निकालने के लिए मनरेगा जैसी एक योजना है। लेकिन इस योजना के प्रति इस सरकार की उपेक्षा बिल्कुल शुरुआत से ही स्पष्ट है। अप्रैल, 2022 से सरकार ने मनरेगा में पंजीकृत कामगारों की सूची से 7.6 करोड़ नाम हटा दिए हैं। मानो यही काफी न हो, पंजीकृत कामगारों में से भी एक तिहाई (यानी 8.9 करोड़) और कुल सक्रिय कामगारों का आठवां हिस्सा (यानी 1.8 करोड़) आधार केंद्रित भुगतान व्यवस्था लागू होने के कारण मनरेगा के तहत काम करने में असमर्थ हैं। मनरेगा की मदद छिन जाने से इतने सारे परिवारों के इतने लोग किस तरह अपना गुजर–बसर कर रहे हैं? इन लोगों के लिए जीवन यापन बेहद कठिन है, लिहाजा खुशहाल तो ये कतई नहीं हैं। देश में एक और बड़ी आबादी खुश नहीं है। ये वे लोग हैं, जिनके पास कोई रोजगार नहीं है। सरकार अब रोजगार सृजन की बात नहीं करती। उसका मानना है कि स्व रोजगार में हो रही वृद्धि की बात कहकर वह लोगों को भुलावा दे सकती है। जिस देश में बच्चे सात से आठ साल तक स्कूलों में, और वह भी बगैर किसी कौशल प्रशिक्षण के गुजारते हैं, उस देश में स्वरोजगार का एक अर्थ बेरोजगारी भी है। जो स्त्री–पुरुष स्वरोजगार में हैं भी, उनकी आय या मजदूरी नौकरी कर रहे लोगों के वेतन की तुलना में कुल मुद्रास्फीति से कम है। यही नहीं, स्वरोजगार में अन्य कोई सुविधा या सामाजिक सुरक्षा भी नहीं है। हमारे यहां युवा बेरोजगारी की दर 10 फीसदी है, जबकि 25 वर्ष तक की आयु वाले स्नातकों में बेरोजगारी की दर 42 प्रतिशत है।

श्रीकृष्ण पर कैसे लगा चोरी और हत्या का आरोप

वहां एक सिंह ने प्रसेनजित को मार डाला। सत्राजित के बहुत प्रयास करने पर भी प्रसेनजित और मणि का कुछ पता नहीं लगा। चूंकि कृष्ण सत्राजित से मणि मांग चुके थे, इसलिए सत्राजित ने कृष्ण पर ही प्रसेनजित की हत्या और स्यमंतक की चोरी का आरोप लगा दिया। कृष्ण को खुद पर लगे कलंक को मिटाने के लिए मणि खोजना आवश्यक था। वह उसी वन में गए, जहां प्रसेनजित आखेट के लिए गया था। कुछ देर बाद कृष्ण को प्रसेनजित का सड़ा–गला शव मिल गया जिसे एक सिंह मारकर छोड़ गया था। परंतु कृष्ण को मणि नहीं मिली। वह सिंह के पंजों के निशान का पीछा करते हुए आगे बढ़े तो उन्हें कुछ दूरी पर सिंह का शव पड़ा मिला। उसके निकट एक विशाल भालू के पंजों के निशान थे परंतु मणि फिर भी नहीं मिली। फिर वह भालू के पैरों के निशान का पीछा करते हुए एक गुफा तक पहुंच गए।

आशुतोष गर्ग

सत्राजित नाम के एक यदुवंशी ने कठोर तपस्या करके सूर्यदेव को प्रसन्न कर लिया। सूर्यदेव ने सत्राजित को स्यमंतक नाम की एक दिव्य मणि प्रदान की जो अपने धारक को प्रतिदिन, अपने भार का आठ गुना स्वर्ण प्रदान करती थी। मणि से सत्राजित को प्रतिदिन स्वर्ण मिलने लगा जिससे वह अचानक धनवान हो गया। तब श्रीकृष्ण ने सत्राजित से कहा कि राज्य की समृद्धि के लिए उसे वह मणि राजा को दे देनी चाहिए परंतु लोभी सत्राजित ने मणि देने से मना कर दिया और उसके मन में कृष्ण के प्रति दुर्भावना भी उत्पन्न हो गई। एक दिन सत्राजित का भाई प्रसेनजित स्यमंतक मणि धारण करके आखेट के लिए चला गया। वहां एक सिंह ने प्रसेनजित को मार डाला। सत्राजित के बहुत प्रयास करने पर भी प्रसेनजित और मणि का कुछ पता नहीं लगा। चूंकि कृष्ण सत्राजित से मणि मांग चुके थे, इसलिए सत्राजित ने कृष्ण पर ही प्रसेनजित की हत्या और स्यमंतक की चोरी का आरोप लगा दिया। कृष्ण को खुद पर लगे कलंक को मिटाने के लिए मणि खोजना आवश्यक था। वह उसी वन में गए, जहां प्रसेनजित आखेट के लिए गया था। कुछ देर बाद कृष्ण को प्रसेनजित का सड़ा–गला शव मिल गया जिसे एक सिंह मारकर छोड़ गया था। परंतु कृष्ण को मणि नहीं मिली। वह सिंह के पंजों के निशान का पीछा करते हुए आगे बढ़े तो उन्हें कुछ दूरी पर सिंह का शव पड़ा मिला। उसके निकट एक विशाल भालू के पंजों के निशान थे परंतु मणि फिर भी नहीं मिली। फिर वह भालू के पैरों के निशान का पीछा करते हुए एक गुफा तक पहुंच गए। उन्हें गुफा के भीतर से तेज प्रकाश बाहर आता दिखा जो निस्संदेह स्यमंतक मणि से निकल रहा था। कृष्ण तुरंत समझ गए कि सिंह, प्रसेनजित को मारकर मणि मुंह में दबाकर ले गया होगा और फिर भालू ने सिंह को मारकर स्यमंतक मणि अपनी गुफा में रख ली होगी। कृष्ण गुफा के भीतर चले गए। गुफा के अंदर एक युवती स्यमंतक मणि से खेल रही थी। कृष्ण जैसे ही मणि लेने के इरादे से आगे बढ़े, एक विशालकाय भालू ने उन पर हमला कर दिया। भालू को देखकर कृष्ण मुसकराए मानो भालू से उनकी पुरानी पहचान थी। परंतु भालू हमला कर चुका था इसलिए कृष्ण को भालू के प्रहार का उत्तर देना पड़ा। दोनों में घमासान युद्ध छिड़ गया जो कई दिनों तक निरंतर चलता रहा। आखिर, भालू थक गया। तब उसे एहसास हुआ कि उसका सामना किसी साधारण मनुष्य से नहीं हुआ था। उसने हाथ जोड़कर कृष्ण से उनका परिचय पूछा। कृष्ण ने मुस्कुराकर कहा, 'प्रिय जाम्बवान! तुमने मुझे नहीं पहचाना लेकिन मैंने तुम्हें देखते ही पहचान लिया था। मैं नारायण हूं और तुमसे त्रेता युग में मिला था जब मैंने राम के रूप में अवतार लिया था। अब मैं द्वापर युग में कृष्ण के रूप में आया हूं!' फिर कृष्ण ने जाम्बवान को दिव्य रूप में दर्शन दिए जिसे देखकर जाम्बवान कृष्ण से क्षमा मांगने लगा। कृष्ण, पत्नी जाम्बवती और स्यमंतक मणि साथ लेकर द्वारिका लौटे और खुद पर लगे हत्या और चोरी के कलंक को मिटा डाला। कृष्ण बोले, 'मुझे अपने भक्त का प्रहार भी फूल के समान प्रिय है। मैं स्यमंतक मणि लेने आया हूं क्योंकि मुझ पर चोरी और हत्या का आरोप है। लेकिन मुझे एक और वचन भी पूरा करना है जो मैंने तुम्हें त्रेता युग में दिया था।' 'कैसा वचन?' जाम्बवान के पास खड़ी उसकी पुत्री जाम्बवती ने पूछा। कृष्ण ने जाम्बवती से कहा, 'रावण के साथ युद्ध में तुम्हारे पिता ने मेरी सहायता की थी जिसके बदले जाम्बवान ने तुम्हारा विवाह मुझसे करने का आग्रह किया था। परंतु तब मैं एक पत्नी–व्रत से बंधा था इसलिए मैंने जाम्बवान को वचन दिया था कि मैं अपने अगले अवतार में उसकी यह इच्छा पूर्ण करूंगा और मैंने तुम्हें भी यह वरदान दिया था कि तब तक तुम्हारा यौवन यथावत रहेगा। मैं तुम्हें अपनी पत्नी स्वीकार करता हूं।' फिर कृष्ण, अपनी पत्नी जाम्बवती और स्यमंतक मणि साथ लेकर द्वारिका लौट आए। उन्होंने स्यमंतक मणि सत्राजित को लौटा दी और खुद पर लगे हत्या और चोरी के कलंक को मिटा डाला। इसके बाद कृष्ण ने सत्राजित के अनुरोध पर उसकी पुत्री सत्यभामा को भी पत्नी–रूप में स्वीकार कर लिया। बाद में, देवर्षि नारद ने कृष्ण को बताया कि भाद्रपद की चतुर्थी के चंद्रमा का दर्शन करने से उन पर यह कलंक लगा था। यही करण है कि हिंदू संस्कृति में 'चौथ का चांद' देखना अशुभ समझा जाता है। वहां एक सिंह ने प्रसेनजित को मार डाला। सत्राजित के बहुत प्रयास करने पर भी प्रसेनजित और मणि का कुछ पता नहीं लगा। चूंकि कृष्ण सत्राजित से मणि मांग चुके थे, इसलिए सत्राजित ने कृष्ण पर ही प्रसेनजित की हत्या और स्यमंतक की चोरी का आरोप लगा दिया। कृष्ण को खुद पर लगे कलंक को मिटाने के लिए मणि खोजना आवश्यक था। वह उसी वन में गए, जहां प्रसेनजित आखेट के लिए गया था। कुछ देर बाद कृष्ण को प्रसेनजित का सड़ा–गला शव मिल गया जिसे एक सिंह मारकर छोड़ गया था। परंतु कृष्ण को मणि नहीं मिली। वह सिंह के पंजों के निशान का पीछा करते हुए आगे बढ़े तो उन्हें कुछ दूरी पर सिंह का शव पड़ा मिला।

लॉयड जॉर्ज और चर्चिल की बात

इस साल बजट नहीं आएगा। मगर सरकार का हिसाब–किताब तो संसद में पेश होगा ही। लोकतंत्र में बजट सरकार का सबसे कीमती दस्तावेज तो होता है, लेकिन पश्चिम की दुनिया की इसकी सार्वजनिक छवि जरा ऐसी–वैसी ही है। बजटों को लेकर इतनी हिकारत इसिलए है कि इसके जरिये सरकारें चर–अचर चराचर अखिल विश्व में जो जहां है, उस पर टैक्स लगाती हैं और टैक्सों को भला कौन पसंद करेगा? बजट की प्रक्रिया इस बहस को साथ लेकर जन्मी थी कि आम बजट आम लोगों के लिए क्या ही होता है, बजट और इसके एलान तो खास लोगों के लिए होते हैं, तभी तो बजट याद नहीं रखे जाते थे। मगर आइए, उड़ान भरिए टाइम मशीन में हम आपको मिलवाएं एक ऐसे बजट से, जिसने बजटों की रवायत ही बदल दी। इसके बाद ही बजटों को कसौटी मिली, जिसकी रोशनी में इनके आम बजट होने की पैमाइश की जा सकती है। इस बार टाइम मशीन आपको एक तूफान के बीच ले जाएगी। ठहरिए, यह मौसमी तूफान नहीं है। यह ब्रिटेन की राजनीति का तूफान है, जो एक बजट से पैदा हुआ था। इसके बाद तो बर्तानवी संसद का काम करने का तरीका ही बदल गया। यात्रीगण कृपया ध्यान दें, आप टाइम मशीन में है और वक्त है बीसवीं सदी की शुरुआत का। आप दुनिया का इतिहास बदलने वाली सदी के पहले वर्ष में हैं यानी साल 1900 में। जरा गौर से देखिए, ब्रिटेन की सियासत में कंजर्वेटिव और लिबरल पार्टी के बीच आपको एक नए दल की आहट सुनाई देगी। ट्रेड यूनियन और समाजवादी आंदोलनों की पृष्ठभूमि से ब्रिटेन में लेबर पार्टी का उदय होने लगा। इसी दौर में आपको ब्रिटेन की महिला अधिकारों की आवाजें सुनाई देंगी। यह 1901 का साल है, जब रानी विक्टोरिया परलोक सिधार गईं हैं। किंग एडवर्ड सप्तम तख्तनशीं हैं। इसी दौरान ब्रिटेन की प्रधानमंत्री बने हरबर्ट हेनरी एक्विथ यानी एच एच एक्विथ। ब्रिटेन के लोग उन्हें प्यार से 'एच एच' या 'डबल एच' कहते थे। एक्वथ लिबरल पार्टी के नेता थे। एच एच के पिता यार्कशॉयर में कपड़े का कारखाना चलाते थे। वाकपटु और बौद्धिक क्षमता से संपन्न एक्विथ तेजी से राजनीति की सीढ़ियां चढ़े। ब्रिटेन के गृह मंत्री रहे और जिस वक्त आप ब्रिटेन में हैं यानी 1905 में तब एक्वथ देश के वित्त मंत्री थे। एक्विथ एक नए तरह की बजट परिपाटी लेकर आए। उन्होंने ब्रिटेन के ताकतवर अमीरों पर नया टैक्स लगा दिया। हाउस ऑफ लॉर्डस यानी ब्रिटेन का उच्च सदन खफा हो गया। 1908 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री हेनरी कैंपबेल बैनरमैन ने इस्तीफा दे दिया। अब एच एच एक्विथ ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री थे। डेविड लॉयड जॉर्ज उनके वजीरे खजाना यानी वित्त मंत्री बने। लॉयड जॉर्ज को उनके चाचा ने पाला था, जो जूते सिलने का काम करते थे। वाकपटुता और बहस के लिए विख्यात जॉर्ज जब संसद में बोलते थे, तो उनके सामने कोई टिकता नहीं था। जॉर्ज बड़े दबंग थे और प्रधानमंत्री एक्विथ के लिए चुनौती भी। प्रधानमंत्री एच एच ने उनकी लोकप्रियता और क्षमताएं देखते हुए उन्हें वित्त मंत्री बनाया था। लॉयड जॉर्ज के वित्त मंत्री बनते ही ब्रिटेन के वित्तीय इतिहास का सबसे रोमांचक दौर शुरू होता है, जिसने पूरी दुनिया के बजटों को नई राह दिखा दी। डेविड लॉयड जॉर्ज मानते थे कि ब्रिटेन में गरीबों की फिक्र करने वाले आर्थक कानून नहीं है। खासतौर पर बुजुर्ग लोग जो काम करने लायक नहीं रहते, उनके लिए कोई मदद ही नहीं है। लॉयड जॉर्ज, जर्मनी के पहले चांसलर और जर्मन राज्य के इतिहास पुरुष ओटो फॉन बिस्मार्क से प्रभावित थे। 19वीं सदी के प्रारंभ में जर्मन राज्यों को एक करने वाले महान नेता बिस्मार्क को कल्याणकारी राज्य के प्रणेताओं में माना जाता है। बुजुर्गों की पेंशन का पहला प्रयोग बिस्मार्क ने ही किया था। 1908 में एच एच ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की कुर्सी संभाली। 1909 में डेविड लॉयड जॉर्ज पहला बजट लेकर आए। इसमें ओल्ड एज पेंशन कानून का प्रस्ताव था, जिसके तहत 70 साल से ऊपर की उम्र के लोगों को पांच शिलिंग प्रति सप्ताह की पेंशन दी जानी थी। ब्रिटेन के लिए यह क्रांतिकारी व्यवस्था थी। वित्त मंत्री डेविड लॉयड ने ब्रिटेन के इनकम टैक्स की व्यवस्था बदल दी। वित्त मंत्री लॉयड ने 5,000 पाउंड सालाना से अधिक आय वालों पर एक सुपर टैक्स लगाने का ऐलान किया। 3,000 पाउंड से ऊपर की आय वालों पर भी टैक्स बढ़ाया गया था। उनके बजट ने विरासत पर लगने वाले टैक्स की दर बढ़ा थी, इस टैक्स को डेथ ड्यूटी कहा जाता था। उन्होंने अमीरों पर वेल्थ टैक्स और कैपिटल गेंस की मिली–जुली व्यवस्था शुरू की, जिसमें संपत्तियों की मिल्कियत और बिक्री से कमाई पर मोटा टैक्स लगाया गया।

खेल से हम सब मानसिक एवं शारीरिक दशा को बेहतर बना सकते हैं-डॉ संजय पांडेय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। 14वीं राष्ट्रीय सीनियर महिलाध्पुरुष सॉफ्टबाल क्रिकेट चौंपियनशिप 2024 का शुभारंभ आज मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के मैदान में किया गया चौंपियनशिप की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ अब्दुल कादिर खान ने की एवंम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग सदस्य डॉ संजय पांडेय,सीओ सदर देवेश सिंह ,सेवा भारती गणेश साहू ,भारत विकास परिषद शिवकुमार एवंम शक्ति सिंह रहे सर्वप्रथम आए हुए सभी प्रदेश के खिलाड़ियों से अतिथियों ने परिचय प्राप्त किया डॉ संजय पांडेय ने अपने संबोधन में कहा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए हमें खेल का होना आवश्यक है सीओ सदर देवेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा खेल शारीरिक एवं मानसिक दशा को दोनों को स्थिर रखता है जिससे हर किसी का सर्वांगीण विकास होता है प्राचार्य डॉ अब्दुल कादिर खान ने कहा खेल शरीर एवं मानसिक संतुलन को स्थिर रखता है और हर युवा को शिक्षा के साथ–साथ खेल में भी जुड़ना आवश्यक हैं।

पहला मैच महिला वर्ग राजस्थान बनाम बिहार के बीच खेला गया टास जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान की टीम ने छह विकेट के नुकसान पर 70 रन बनाए जिसमें दीपिका ने मात्र 17 गेंद पर 29 रन बनाकर ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की दूसरे छोर पर बिहार की टीम अपने लक्ष्य को पूरा करते हुए मात्र 67 रन ही बना पाई राजस्थान की टीम तीन रनों से विजय घोषित हुई।

दूसरा मैच पुरुष वर्ग जम्मू कश्मीर बनाम राजस्थान के बीच खेला गया राजस्थान की टीम ने टास जीतकर फील्डिंग का फैसला लिया जम्मू कश्मीर की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 154ध्6 विकेट के नुकसान पर बनाए जिसमें जम्मू कश्मीर के बल्लेबाज मोहम्मद शाहिद ने मात्र 22 गेंद पर 73 बना कर एक विशाल स्कोर खड़ा किया दूसरे छोर पर राजस्थान के बल्लेबाजों ने लक्ष्य को पीछा करते हुए मात्र 55 रनों पर आल–आउट हो गई जम्मू कश्मीर के बॉलर मोहम्मद शाहिद एवंम बासित ने अपनी टीम की झोली में तीन विकेट दिए इसके बाद जम्मू एंड कश्मीर की टीम 99 रनों के विशाल स्कोर से विजय घोषित हुई राजस्थान की मैन ऑफ द मैच दीपिका हुईं।इस मौके पर अलग–अलग राज्यों से महिला एवं पुरुष की टीमें उपस्थित हो चुकी है जिसमें जम्मू कश्मीर,राजस्थान,मध्य प्रदेश झारखंड,गुजरात,बिहार उड़ीसा,मध्य भारत,उत्तर प्रदेश पूर्वांचल,उत्तराखंड की टीमें में आ चुकी हैं जम्मू–कश्मीर मैन ऑफ द मैच मोहम्मद शाहिद हुए।

कार्यक्रम का संचालन अहमद अब्बास खान ने किया अंपायर के रूप में आकाश प्रजापति,धनेश जायसवाल रहे स्कोरर कंचन पटेल,प्रिया गरवाल,सबा रशीद रही।

राजधानी लखनऊ के रमाबाई अंबेडकर रैली मैदान में निषाद पार्टी मनाएगी अपना संकल्प दिवस : संजय निषाद

केंद्र व प्रदेश सरकार से कई विशेष अतिथि होंगे शामिल: संजय निषाद

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। निषाद पार्टी सुप्रीमो एवं माननीय कैबिनेट मंत्री डॉ संजय कुमार निषाद जी ने लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी 13 जनवरी 2024 को निषाद पार्टी अपनी 11वीं संकल्प दिवस को भव्य और विशाल बनाने जा रही है। श्री निषाद ने बताया कि संकल्प दिवस का आयोजन लखनऊ स्थित रमाबाई अंबेडकर रैली मैदान में होगा और प्रदेश भर से मछुआ समाज के लोग एकजुट होंगे।

श्री निषाद ने बताया कि संकल्प दिवस के कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को आमंत्रित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक , बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी एवं परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह समेत अन्य गणमान्य अथितियों को आमंत्रित किया गया है।

श्री निषाद ने बताया कि रैली में केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा मछुआ समाज के विकास और उत्थान के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को भी उनके समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस की केंद्र सरकार ने 67 वर्षों में पूरे देश के मछुआ समाज के लिए केवल 3000 करोड रुपए आवंटित किए थे जबकि केंद्र की मोदी सरकार ने केवल 9 वर्षों में 39000 करोड रुपए मछुआ समाज के लिए आवंटित किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री स्वयं निषाद समाज की चिंता करते हैं और निषाद समाज सभी लंबित मुद्दों को लेकर भी गंभीर है। पूर्व की सपा बसपा एवं कांग्रेस की सरकारों ने निषाद समाज को मुद्दों से भटकने का कार्य किया है और आगामी 13 जनवरी की रैली में मछुआ समाज के सामने मौजूदा प्रदेश एवं केंद्र सरकार द्वारा किए गए मछुआ हितेषी कार्यों को भी उनके सामने रखा जाएगा।

मौसम में उतार-चढ़ाव के चलते फसल कीट और रोगों से बचाव के लिये जानकारी : विवेक कुमार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला कृषि रक्षा अधिकारी विवेक कुमार ने जनपद के किसानों को सलाह दी है कि वर्तमान समय में मौसम में उतार–चढ़ाव के चलते फसल कीट और रोगों से प्रभावित हो सकता है इसको ध्यान में रखते हुए इनका नियंत्रण जरुरी है। गेहूँ की फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु बुवाई के 25–30 दिन के बाद खरपतवारनाशी रसायनों का प्रयोग करें। सरसों में माहूँ कीट की रोकथाम हेतु यलो स्टिकी टेप का प्रयोग करें अथवा नीम ऑयल 0.15 प्रतिशत ई० सी० 2.5 लीटरध्हेक्टयर की दर से प्रयोग करे। सरसों में अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग के नियंत्रण हेतु मैन्कोजेब 75 प्रतिशत डब्ल्यू0पी0 की 2 किग्रा मात्रा प्रति हेक्टयर की दर से छिड़काव करे। मसूर में माहूँ कीट के नियंत्रण हेतु सरसों की तरह दवाओ का प्रयोग करें। मटर में बुकनी रोग के नियंत्रण हेतु गंधक 80 प्रतिशत 2 किग्रा०ध् हेक्टयर की दर से छिड़काव करे। चना में धब्बा रोग के रोकथाम हेतु कॉपर आक्सीक्लोराइड 50 प्रतिशत डब्ल्यू0पी0 की 3 किग्रा मात्रा को 500–600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टयर की दर से छिड़काव करे।

जब हवा न चल रही हो मौसम शांत हो तो पाला पड़ने की सम्भावना रहती है। ऐसे में मेड़ो पर धुवाँ करे फसलो की सिचाई कर दे। किसान भाई अपने नजदीकी कृषि रक्षा इकाई से सम्पर्क कर उपलब्ध रसायन अनुदान पर प्राप्त कर सकते है। कीटध्रोग की समस्या का समाधान पाने हेतु टोल फ्री व्हाट्सअप नंबर 9452247111 पर अपनी समस्या भेजकर निःशुल्क समाधान प्राप्त कर सकते है।

विवेकानंद जयंती पर कामनमैन सोसाइटी करेगा युवा दिवस का आयोजन 12 को

विवेकानंद के वैश्विक स्वरूप पर होगी राष्ट्रवादी विचारक महिम तिवारी की विशेष प्रस्तुति

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। युग पुरुष स्वामी विवेकानंद की 161वीं जयंती पर एल बी एस डिग्री कालेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष धीरेन्द्र पाण्डेय के संयोजन व कामन मैन सोशल वेल्फेयर के तत्वावधान में आगामी 12 जनवरी शुक्रवार को युवा दिवस का आयोजन किया गया है। अयोध्या में जन्मभूमि मंदिर के लोकार्पण शृंखला में चल रहे अमृत महोत्सव की शृंखला के अन्तर्गत युवा दिवस के कार्यक्रम में काशी विश्वविद्यालय के शोधार्थी एवं राष्ट्रवादी विचारक महिम तिवारी स्वामीजी के अध्यात्म क्षेत्र में वैश्विक महत्व पर विशेष उद्बोधन होगा। कार्यक्रम के आयोजक धीरेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि शुक्रवार को प्रातः 10 बजे से मानस के सुन्दरकांड का पाठ एवं 12 बजे से जनपद के युवा संस्कृतिधर्मी संगीतकार – कलाकारों का गायन वादन, कवियो द्वारा काव्य पाठ का आयोजन किया गया है। श्री पाण्डेय ने नगर के सभी बुद्धिजीवियों व युवाओं से कार्यक्रम में प्रतिभागी करने का आह्वान किया है।

हम सिर्फ कर्मचारी तक ही सीमित न रहें, हम कर्मयोगी बनें

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इंडियन बैंक, आंचलिक कार्यालय में पंकज त्रिपाठी , फील्ड जेनरल मैनेजर, के आमंत्रण पर 'श्रीमान् अपरिमेय श्याम प्रभुजी, अध्यक्ष इस्कॉन लखनऊ' ने कार्यपालकों व वरिष्ठ अधिकारियों

को श्रीमद्भगवद्गीता की शिक्षाओं पर आधारित 'कर्मचारी से कर्मयोगी' विषय पर संबोधित करते हुए इस बात पर महत्व दिया कि हम सिर्फ कर्मचारी तक ही सीमित न रहें, हम कर्मयोगी बनें, जिससे हम निजस्वार्थ से नहीं अपितु स्वतः आंतरिक प्रेरणा से सेवा तथा कर्तव्य समझकर कार्य करते हुए अपने लक्ष्य तक पहुंच सकें।

पांच लाख लोग एक साथ गायेंगे राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम : डा. सन्दीप पाण्डेय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती पर लगभग 5 लाख लोग एक साथ राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् का गायन करेंगे। यह बात मंगलवार को भारत विकास परिषद शौर्य के संस्थापक अध्यक्ष डा. सन्दीप पाण्डेय ने कही। उन्होंने बताया कि स्वामी विवेकानन्द जयन्ती पर शौर्य परिवार द्वारा एक भव्य उत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सर्वप्रथम एक वृहद और भव्य शोभायात्रा भण्डारी स्टेशन से निकाली जायेगी जो सुतहट्टी, कोतवाली, चहारसू, शाही पुल होते हुए ओलन्दगंज और जेसीज चौराहे से घ्बीआरपी के मैदान तक जायेगी, जहां स्वामी विवेकानन्द जयन्ती का कार्यक्रम आयोजित है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रान्त प्रचारक रमेश जी रहेंगे। मुख्य वक्ता के रूप में भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री विक्रान्त खण्डेलवाल रहेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाधिकारी जौनपुर अनुज कुमार झा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रान्त कार्यवाह मुरली पाल एवं जिला संघचालक डा. सुभाष सिंह रहेंगे। कार्यक्रम का प्रारम्भ राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् से किया जायेगा जिसमें विशेष बात यह है कि इस बार दिन में 2 बजकर 15 मिनट पर जब यह राष्ट्रीय गीत बीआरपी मैदान से गाया जायेगा तो उनके साथ विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थाओं, व्यापारी बन्धुओं सहित समस्त जनपद के लोग इसमें प्रतिभाग करेंगे। इस कार्यक्रम में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के प्रकल्प प्रमुख प्रमोद मौर्य, सह प्रकल्प प्रमुख आनन्द देव वर्मा, पंकज सिंह, जिला समन्वयक नीरज श्रीवास्तव, चंचल पाठक, अतुल जायसवाल, अवधेश गिरी, जनार्दन पाण्डेय, अमित पाण्डेय, सुजीत यादव, राहुल अग्रहरि आदि उपस्थित रहे।

प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व रात्रि में शीशम के पलंग पर शयन करेंगे रामलला

21 जनवरी की रात में संपन्न होगा शैय्याधिवास

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी जोर–शोर से चल रही है। जिसके चलते प्राण प्रतिष्ठा के पहले विधिवत पूजन अर्चन करने की तैयारी हो रही है।उनके विग्रह की जीवन कारक द्रव्यों के अलावा शैय्या अधिवास की विशेष योजना है।इस प्रक्रिया में रामलला को शीशम के नवनिर्मित पलंग पर शयन कराया जाएगा। ट्रस्ट ने इस पलंग को अयोध्या में ही निर्मित कराया है।इसके अलावा राम लला के लिए गद्दा, रजाई,चादर व तकिया भी खरीदे गए हैं।वही राम लला के वस्त्र भी तैयार हैं।इसी अधिवास के दौरान कुश से भगवान के हृदय को स्पर्श कर न्यास वाचन कर संबंधित पूजन प्रक्रिया भी संपन्न कराई जाती है।बाद में सुबह उन्हें विधिवत जागरण कराने के बाद सिंहासन पर प्रतिष्ठित किया जाता है।शैय्या अधिवास 21 जनवरी को रात्रि में होगा।22 को मध्य दिवस को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में प्राण प्रतिष्ठा होगी। यह जानकारी देते हुए वाराणसी से आए वैदिक आचार्यों के अनुसार सिंहासन (आसन) पर पहले कूर्म शिला व स्वर्ण से निर्मित कच्छपघ्, ब्रहा शिला का भी अधिवास होता है। तीन पिंडिका भी रखी जाएंगी।आचार्यों के अनुसार इसके अलावा भगवान के आसन के ठीक नीचे श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठा की जाएगी,जिस तरह भूमि पूजन में पांच शिलाओं के साथ अलग–अलग द्रव्य रखे जाते हैं, उसी तरह रामलला के आसन का भी पूजन किया जाएगा।

प्राण-प्रतिष्ठा के दिन देशभर में राम रथ यात्रा निकालेगा किन्नर समाज

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) रामलला के प्राण–प्रतिष्ठा के दिन किन्नर समाज भी देश भर में उत्सव मनाएगा। जगह–जगह धार्मिक अनुष्ठान के साथ रामरथ यात्रा भी निकाली जाएगी। यह जानकारी उज्जैन से अयोध्या पहुंची जूना अखाड़ा किन्नर समाज की महामंडलेश्वर पवित्रानंद गिरी ने दी। इस दौरान उन्होंने रामजन्मभूमि व हनुमानगढ़ी जाकर दर्शन पूजन भी किया।उन्होंने कहा कि प्राण–प्रतिष्ठा समारोह में किन्नर समाज को भी आमंत्रित किया गया है। प्रभु श्रीराम एक बार फिर अयोध्या आ रहे हैं, इसी खुशी में देश भर में रामरथ यात्रा निकाली जाएगी। जगह–जगह धार्मिक अनुष्ठान के साथ रामलीला का मंचन भी होगा। उन्होंने बताया कि यहां हमारे समाज का एक अखाड़ा है, यहां पर प्रतिदिन पूजा–पाठ होता है। जूना अखाड़ा गुजरात से आई भैरवी नंद गिरी ने कहा कि अयोया ही नहीं पूरे देश में दिवाली जैसा आयोजन होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि भव्य मंदिर में ही रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा नहीं होगी बल्कि हर घर में राम विराजेंगे और हर घर में दिवाली मनाई जाएगी।

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सुरक्षा कवच में जकड़ी रहेगी राम नगरी

7 सुरक्षा एजेंसी के लगे कैंप,तलाशी में जुटीं 15 टीम

प्राण प्रतिष्ठा से पहले ही तैनात रहेंगे भारी संख्या में कई विंग के जवान - एसपी सिटी

अयोध्या।प्राण प्रतिष्ठा को लेकर समूची राम नगरी पूरी तरह से सुरक्षा कवच में जकड़ी रहेगी। इसमें भारी संख्या में सुरक्षा कर्मियों के अलावा कई विंग की सुरक्षा एजेंसिया तैयार रहेगी।जिसको लेकर अयोध्या कैंट व अयोध्या धाम में सुरक्षा को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं।स्टेट एजेंसियों के अलावा केंद्र की एजेंसियों ने भी जिले में कैंप किया है।15 टीमें विभिन्न इलाकों में छानबीन करके इनपुट तलाश रही हैं।वहीं, श्रीराम मंदिर की सुरक्षा का जिम्मा कमांडो के हवाले किया गया है।रामनगरी में लगभग भारी संख्या में कई विंग के जवान तैनात किए जा रहे हैं।प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिले में आईबी, एलआईयू, एटीएस, एसटीएफ, मिलिट्री इंटेलिजेंस समेत सात सुरक्षा एजेंसियों ने प्रधानमंत्री के आगमन से पूर्व ही कैंप किया है। खुफिया जानकारी जुटा रही टीमों में एक डिप्टी एसपी, एक निरीक्षक व छह–छह सिपाही लगे हैं। इन्हें मोबाइल ट्रैकिंग सिस्टम समेत तमाम आधुनिक उपकरणों से लैस किया गया है। अयोध्या में होने वाली तमाम संभावित गतिविधियों पर उनकी नजर है। फिदाइन हमले रोकने के लिए मंदिर के आसपास क्रैश रेटेड बोलार्ड लगाए जा रहे हैं। सीसीटीवी कैमरों से आसपास के इलाकों की निगरानी होगी।महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा की सुरक्षा उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल की छठवीं वाहिनी को सौंपी गई है। ये जवान आतंकी खतरों से निपटने की क्षमता रखते हैं।यहां तीन इंस्पेक्टर, 55 उप निरीक्षक, 22 मुख्य आरक्षी और 194 आरक्षी लगाए गए हैं। सुरक्षा बलों की कुल संख्या 294 है। इन्हें वॉच टावर के साथ सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया गया है। स्क्रीन के जरिये पूरे एयरपोर्ट की सुरक्षा की सतत निगरानी शुरू कर दी गई।यूपीएसएसएफ के मीडिया प्रभारी विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि तैनाती के पहले जवानों को अपर पुलिस महानिदेशक एलवी एंटनी देव कुमार ने सुरक्षा के अहम बिंदु समझाए। इन्हें तीन माह का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त है।यूपी एटीएस से आधुनिक हथियारों को चलाने का और यूपीएसडीआरएफ से आपदा से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। एयरपोर्ट की सुरक्षा के लिए पांच दिन का इंडक्शन कोर्स, 14 दिन का बेसिक कोर्स, पांच दिन का ऑन जॉब ट्रेनिंग, पांच दिवस का स्क्रीनर्स से संबंधित विशेष प्रशिक्षण भी मिला है।एसपी सिटी मधुबन सिंह ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा को सम्पन्न कराने के लिये लगभग 70 से अधिक डिप्टी एसपी,दो सौ से अधिक निरीक्षक, 800 उपनिरीक्षक व 4500 मुख्य आरक्षीध्आरक्षी की मांग की गई है।उन्होंने बताया कि 20 कंपनी पीएसी भी तैनात रहेगी।रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की सुरक्षा को लेकर खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षा का ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया है।पुलिस के रडार पर रहने वाले लोगों को इस दौरान अयोध्या में घुसने नहीं दिया जाएगा। पुलिस ने मय फोटो इनका डाटाबेस तैयार कर लिया है। इनकी गतिविधियों पर अभी से नजर रखी जा रही है।श्रीराम मंदिर की सुरक्षा को पहले से अब और चुस्त किया जा रहा है।रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देशभर के विशिष्टजन शामिल होंगे। इसके बाद अयोध्या में बेहिसाब भीड़ उमड़ेगी। समारोह के दौरान सुरक्षा पर सरकार का फोकस है।सूत्रों के मुताबिक, पुलिस की नजर ऐसे खुराफातियों पर है जो भीड़ का लाभ उठाकर गड़बड़ कर सकते हैं।आसपास के जिलों के साथ ही प्रदेश भर से ऐसे लोगों की पहचान करके पूरी कुंडली पुलिस ने मंगवा ली है। अब रणनीति यह है कि ऐसे लोगों को अयोध्या में घुसने न दिया जाए। यहां आने का प्रयास किया तो धर दबोचे जाएंगे। समारोह के दौरान सुरक्षा के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का उपयोग किया जाएगा।एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह ने बताया कि 21 और 22 जनवरी को भारी वाहन इधर से नहीं जाएंगे।वही छोटे वाहनों के लिए अलग से व्यवस्था होगी। आमंत्रित अतिथियों के लिए बेहतर व्यवस्था रहेगी।पार्किंग स्थलों पर कैमरे लगाए जा रहे हैं। राम मंदिर की सुरक्षा का नया प्लान लागू किया जा रहा है।बिना अनुमति इस क्षेत्र में ड्रोन नहीं उड़ाए जा सकेंगे।श्रद्धालुओं से बेहतर व्यवहार के लिए पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है।प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर भीड़ में अराजकता फैलाने वाले लोग अभी से चिह्नित किए जा रहे हैं। खुफिया के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से निगरानी की व्यवस्था की जा रही है।

प्राण प्रतिष्ठा के लिए लगभग तैयार हो रही राम मंदिर

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने साझा किए जटायु सहित कई चित्र

अयोध्या। (डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सोमवार को देर रात कई चित्र जारी कर 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व राममंदिर से जुड़ी तैयारियां साझा की हैं।चित्र से स्पष्ट है कि श्रद्धालु रामलला एवं राम मंदिर के साथ राम जन्मभूमि परिसर में ही स्थित कुबेर टीला पर स्थापित पक्षीराज जटायु का भी दर्शन कर सकेंगे।

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा जारी किये गये चित्र में पक्षीराज की विशालता एवं जीवंतता का अनुमान किया जा सकता है।एक अन्य चित्र में प्रभावी रोशनी से संयोजित हो राम मंदिर का आंतरिक प्रभाग शानदार स्थापत्य का उदाहरण सिद्ध हो रहा है।रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा तो भूतल में स्थापित है, लेकध्नि संपूर्ण राम मंदिर तीन तल का है। जानकारो की माने तो प्रत्येक तल की ऊंचाई 20 फीट है।इसमें कुल 392 खंभे और 44 दरवाजे हैं। इसी वर्ष के अंत तक शेष दोनों तल का निर्माण पूर्ण हो जाना है और तब राम जन्मभूमि की भव्यता सर्वोच्च शिखर पर होगी।

राम जन्मभूमि मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की कवरेज के संबंध में दिशा निर्देश

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी तथा स्थानीय वरिष्ठ अधिकारियों एवं उत्तर प्रदेश सूचना निदेशक के निर्देश के क्रम में उप निदेशक सूचना अयोध्या मण्डल अयोध्याध्प्रभारी मुख्यमंत्री मीडिया सेंटर लखनऊ डा0 मुरली धर सिंह ने बताया कि दिनांक 22 जनवरी 2024 को आयोजित होने वाले श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मीडिया कवरेज के लिए अंतर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय अयोध्या में अस्थायी मीडिया सेंटर की स्थापना की जा रही है, जो 20 जनवरी 2024 से 22 जनवरी 2024 तक संचालित किया जाएगा। साथ ही साथ अयोध्या में निर्मित अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया सेन्टरध्प्रेस क्लब को भी अगले सप्ताह शुरू किया जायेगा, जो रामकथा संग्रहालय में मीडिया सेन्टर स्थापित होगा उसमें इंटरनेट व कंप्यूटर की आदि व्यवस्था होगी तथा मीडिया साथियों को यह भी अवगत कराना है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य हर व्यक्ति के चेहरे पर खुशहाली लाना : मनीष शुक्ला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विकसित भारत संकल्प यात्रा की वैन आज करंजाकला ब्लाक के परसनी ग्राम पहुंची जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ला उपस्थित रहे। एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला मंत्री रविन्द्र सिंह राजू दादा एवं ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुनील यादव मम्मन उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार की योजनाओं और उनके सफल क्रियान्वयन से विपक्ष विचलित है। गरीबों के हक पर डकैती डालने वालों को आज जाति दिखाई पड़ती है। वह लोग समाज का विभाजन करने का कार्य कर रहे हैं। हमें ऐसे लोगों से सावधान रहकर समाज को एकजुट करते हुए राष्ट्रीय सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करना होगा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान लाभार्थियों से सोमवार को संवाद करते हुए भाजपा प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने कहा कि आज देश में गरीबों के लिए सिर्फ योजनाएं ही नहीं बन रही हैं बल्कि उनका क्रियान्वयन भी हो रहा है। शासन की योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के गांव, गरीब और नौजवान तक पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री मोदी को जनता से मिल रहा प्यार इस बात का प्रमाण है। इस विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य भी हर व्यक्ति के चेहरे पर खुशहाली लाना है। इस दौरान मनीष शुक्ला ने जौनपुर जिले के करंजाकला ब्लॉक के जमालपुर ग्रामसभा और सोंधी ब्लाक के गुरैनी ग्रामसभा के लाभार्थियों से भी बातचीत की। उसके उपरान्त वहा पर उपस्थित गर्भवती महिलायों की गोदभराई की एवं बच्चों का अन्नप्राशन का कार्यक्रम किये।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के पंच प्रण गुलामी की मानसिकता से मुक्त, विकसित भारत, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता एवं नागरिक कर्तव्य की बात करते हुए कहा कि जब 140 करोड़ लोग एक स्वर और नेतृत्व में आगे बढ़ेंगे तो दुनिया की कोई ताकत विकसित भारत बनने से रोक नहीं सकती है। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश आज इसी संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

भाजपा प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने कहा कि डबल इंजन की सरकार की मेहनत का परिणाम है कि आज प्रदेश के अंदर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 55 लाख गरीबों को घर मिला है, तीन करोड़ लोगों को शौचालय, 1.75 लाख गरीबों को उज्ज्वला योजना के तहत फ्री गैस कनेक्शन, 1 करोड़ 54 लाख परिवारों को फ्री में बिजली का कनेक्शन, 1 लाख 21 हजार गांवों तक बिजली पहुंची है। 10 करोड़ लोग आयुष्मान भारत योजना से कवर हुए हैं। 15 करोड़ लोगों को फ्री में राशन मिल रहा है। अगर में जौनपुर जिले की बात करें तो यहां सरकार की विभिन्न योजनाओं के बड़ी संख्या में लाभार्थी हैं।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले साढ़े नौ वर्ष में देश ने प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति की है। वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठ बढ़ने के साथ ही देश के अंदर अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हुआ है। सरकार की योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के लोगों को मिल रहा है। दुनिया की एजेंसियां यह मानती हैं कि भारत में साढ़े नौ वर्ष में 13 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा के ऊपर आए हैं। किसानों को लागत का डेढ़ गुना दाम दिया जा रहा है। किसान सम्मान निधि के माध्यम से कृषकों के जीवन में व्यापक परिवर्तन आया है।

पत्रकारों से बातचीते करते हुए भाजपा नेता मनीष शुक्ला ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत प्रदेश में 642 मोदी गारंटी वैन चल रही हैं। उत्तर प्रदेश के 57709 ग्राम पंचायतों में से अब तक 36983 ग्राम पंचायतों में मोदी गारंटी वैन पहुंच चुकी है। साथ ही 762 नगर निकायों में 1027 कार्यक्रम आयोजित हो चुके हैं। अबतक प्रदेश के अंदर लगभग पौने तीन करोड़ लोगों से यह यात्रा जुड़ चुकी है।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्याम बाबू यादव जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह मण्डल अध्यक्ष राजकेशर पाल धर्मेन्द्र मिश्रा पूर्व जिला मंत्री अंशुमान सिंह पूर्व मण्डल अध्यक्ष संजीव शर्मा इन्द्रसेन सिंह समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

एसोसिएटेड चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने डिजिटल कृषि के माध्यम से किसानों की आय दोगुनी करने के लिए ग्लोबल न्यू एनर्जीज एंड टेक्नोलॉजीज ने सतयुक्त एनालिटिक्स प्रा. लि. ने की साझेदारी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एक महत्वपूर्ण साझेदारी में एसोसिएटेड चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, यूपी एंड यूके चौप्टर द्वारा समर्थित ग्लोबल न्यू एनर्जीज एंड टेक्नोलॉजीज ने सतयुक्त एनालिटिक्स प्रा. लि. के साथ मिलकर किसानों की आय दोगुनी करने के लिए डिजिटल कृषि पहल शुरू की है। श्सेट टू फार्मश नामक एक मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से, किसानों को अब विभिन्न कृषि सुविधाओं तक पहुंच प्राप्त होगी, जिससे न केवल उनकी फसल की पैदावार बढ़ेगी बल्कि उनकी समग्र जीवन शैली में भी सुधार होगा।

सत्ययुक्त एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित श्सेट टू फार्मश एप का लक्ष्य किसानों के लिए डिजिटल गैप को कम करना है, उन्हें डिजिटल तरीकों को प्रभावी ढंग से समझने और उपयोग करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। किसान अपने मोबाइल फोन पर एप्लिकेशन इंस्टॉल कर सकते हैं, जिससे उन्हें कृषि से संबंधित व्यापक समाधानों से लाभ मिल सकेगा।

एप्लिकेशन में मिट्टी परीक्षण, मौसम पूर्वानुमान, मिट्टी में पोषक तत्वों की जानकारी (एसपी, एन2, के) और हानिकारक कीटों, मौसमी बैक्टीरिया और बीमारियों के बारे में जागरूकता सहित आवश्यक पहलुओं को शामिल किया गया है। ग्लोबल न्यू एनर्जी, सतयुक्त एनालिटिक्स, अन्नदाता लॉजिस्टिक्स और अमय इन्फोटेक अपने सहयोगी प्रयासों के साथ, इस पहल को सफल बनाने के लिए उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में किसानों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहे हैं।

यह अभूतपूर्व दृष्टिकोण न केवल कृषि चुनौतियों का समाधान करता है, बल्कि किसानों के बीच समय पर जागरूकता को भी बढ़ावा देता है, जिससे उन्हें फसल सुरक्षा और संवर्धन के लिए उचित निर्णय लेने में सशक्त बनाया जाता है। श्री अनिरुद्ध कुमार के नेतृत्व में तकनीकी टीम, इसकी सफलता पर समर्पित ध्यान के साथ इस पहल के कार्यान्वयन की परिश्रमपूर्वक निगरानी कर रही है।

उत्तर प्रदेश एंड उत्तराखंड एसोसिएटेड चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन श्री डी. पी. सिंह ने इस परिवर्तनकारी पहल पर अपने विचार व्यक्त किएरू ष्ग्लोबल न्यू एनर्जी एंड टेक्नोलॉजीज और सतयुक्त लॉजिस्टिक्स के बीच यह रणनीतिक गठबंधन हमारे किसानों को सशक्त बनाने का एक सराहनीय प्रयास है। डिजिटल कृषि को अपनाकर, हम न केवल उत्पादकता बढ़ा रहे हैं बल्कि कृषक समुदाय के आर्थिक उत्थान में भी योगदान दे रहे हैं।

सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, श्री मुकेश बहादुर सिंह ने कृषि में तकनीकी प्रगति के महत्व पर जोर दियारू ष्आज की तेज गति वाली दुनिया में, टेक्नोलॉजी हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कृषि तक इसकी पहुंच बढ़ाना न केवल अपरिहार्य है, बल्कि सतत विकास के लिए आवश्यक भी है।.यह सहयोग कृषि पद्धतियों को आधुनिक बनाने और हमारे किसानों के लिए समृद्ध भविष्य सुरक्षित करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

ग्लोबल न्यू एनर्जीज एंड टेक्नोलॉजीज के मैनेजिंग पार्टनर, श्री अभितोष अस्थाना ने श्सेट टू फार्मश ऐप की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डाला और कहा, ष्हमारा उद्देश्य किसानों को जानकारी और उपकरणों के साथ सशक्त बनाना है जो उनकी कृषि पद्धतियों को बदल सकते हैं। श्सेट टू फार्मश ऐप में मृदा परीक्षण से लेकर कीट नियंत्रण तक समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जो किसानों के लिए एक व्यापक डिजिटल मंच प्रदान करता है।

अन्नदाता लॉजिस्टिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक, श्री शशांक गिरि ने किसानों के लिए व्यावहारिक लाभों के बारे में बात करते हुए कहा, ष्इस सहयोग के माध्यम से, हम न केवल किसानों के लिए डिजिटल साक्षरता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, बल्कि उनकी वास्तविक समय की चुनौतियों का भी समाधान कर रहे हैं। श्सेट टू फार्मश ऐप को व्यावहारिक समाधान पेश करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो फसल की उपज और किसानों की आजीविका पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है।

अमाया इन्फोटेक के प्रमोटर, श्री दीपक कुमार ने सहयोगात्मक प्रयासों पर प्रकाश डाला और कहा ष्इस पहल की सफलता सहयोग में निहित है। अमाया इन्फोटेक को किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के इस सामूहिक प्रयास का हिस्सा होने पर गर्व है। यह खुशी की बात है किसानों को बढ़ावा देने के लिए सभी एक मंच पर आए हैं।

ग्लोबल एग्री इन्फोटेक के प्रमोटर, श्री अनिरुद्ध कुमार ने प्रौद्योगिकी–संचालित कृषि के महत्व पर जोर देते हुए कहा, ष्टेक्नोलॉजी के माध्यम से कृषि को आधुनिक बनाना समय की मांग है। ग्लोबल एग्री इन्फोटेक उन पहलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जो कृषि प्रथाओं में लगातार विकास लाते हैं। यह सहयोग यह एक तकनीक–प्रेमी और समृद्ध कृषक समुदाय बनाने की दिशा में एक कदम है।

एक सप्ताह के भीतर शिक्षकों की समस्या का समाधान करें वरना संगठन आंदोलन को बाध्य होगा : धर्मेंद्र कुमार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (नवीन) के प्रांतीय अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव जनपद जौनपुर के मछली शहर तहसीलके जवाहरलाल नेहरू इंटर आनापुर में शिक्षकों से मुलाकात कर नूतन वर्ष 2024 की शुभकामनाएं दी और नवीन गुट के गठन (2012)के समय से मूल मांगपत्र की दूसरी और तीसरी महत्वपूर्ण मांग उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड द्वारा चयनित शिक्षकों का नियुक्ति पत्र सीधे निदेशालय स्तर से निर्गत होकर 21 दिन के भीतर कार्यभार ग्रहण करना सुनिश्चित करने और प्रधानाचार्यो का चयन लिखित परीक्षा के माध्यम से करने संबंधी मांग पर वर्तमान सरकार द्वारा मिली स्वीकृति को संघ शिक्षकों के संघर्ष की जीत बताते हुए सरकार को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा शिक्षकों को संबोधित करते हुए प्रांतीय अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव ने प्रदेश के सभी सम्मानित

माध्यमिक शिक्षकोंधशिक्षिका बहनों को सरल शब्दों में बताया कि अब अधियाचन सीधे निदेशक के पास जाएगा और वहां से लोक सेवा आयोग की भांति उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को भेजा जाएगा फिर आयोग चयनित कर शिक्षकों एवं प्रधानाचार्य की सूची निदेशालय को देगा तत्पश्चात वह विद्यालय आवंटित कर नियुक्ति पत्र निदेशालय से प्राप्त होगा। आगे प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि तदर्थ शिक्षकों को प्रभावित करने वाले 9 नवंबर 2023 को सरकार द्वारा जारी शासनादेश पर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा राहत प्रदान करते हुए उनसे काम लेने तथा वेतन देने और सरकार शीघ्र विनियमित करने के साथ अगली सुनवाई 14 जनवरी सुनिश्चित की है।मा उच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से 7 अगस्त 2093 से 30 दिसंबर 2000 तक के सभी तदर्थ शिक्षकों को वेतन देने की बात कही है परंतु विभाग अभी भी वेतन देने में हीला हवाली कर रहा है जिससे कई सौ शिक्षकों का परिवार आर्थिक संकट से जूझने को मजबूर है परंतु अब आगे बर्दाशत नहीं किया जाएगा। एक सप्ताह संह आदि शिक्षक रहे।

शूटिंग के खिलाड़ियों को कमिश्नर ने किया सम्मानित

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)दो दिवसीय शूटिंग चौंपियनशिप में लगभग 500 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया जिनमें से सभी अलग–अलग खिलाड़ियों को गोल्ड सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त हुआ सभी खिलाड़ियोंका सम्मान अयोध्या कमिश्नर श्री गौरव दयाल जी ने सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी इस अवसर पर एसपी सिटी अयोध्या श्री मधुबन सिंह अयोध्या सी ओ अयोध्या डॉ राजेश तिवारी पि ओ डूडा श्री यामिनी रंजन भवदीय ग्रुप के प्रबंधक डॉ अवधेश वर्मा ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी इस प्रतियोगिता केआयोजक एवं शूटिंग कोच सनी कुमार वर्मा ने बताया कि लगभग 500 खिलाड़ियों को मेडल देकर पुरस्कार दिया गया।

पुरानी पेंशन योजना बहाली संयुक्त मंच (NJCA) द्वारा 4 दिवसीय क्रमिक भूख-हड़ताल।

मृत्युंजय प्रताप सिंह पत्रकार

लखनऊ। पुरानी पेंशन योजना बहाली संयुक्त मंत्र के आहवान पर गत् 15 दिसम्बर, 2023 को स्टीयरिंग कमेटी बैठक निर्णय के क्रम में नार्दर्न रेलवे मेन्स यूनियन, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, प्राथमिक षिक्षक संघ, आयकर, पोस्टल, दूरदर्षन, जी0एस0आई0 आदि के सैकड़ों की संख्या में केन्द्र व राज्य सरकार के सेवारत व सेवानिवृत्ति श्रम संघों द्वारा चार दिवसीय क्रमिक भूख–हड़ताल का आरम्भ आज सुबह चारबाग स्टेषन प्रांगण में कामरेड विभूति मिश्रा, मण्डल अध्यक्ष, एन0आर0एम0यू0 की अध्यक्षता में प्रातः 09:00 बजे से हुआ। इस क्रमिक भूख–हड़ताल के दौरान भोजनावकाष में हजारों की संख्या में सरकारी कर्मचारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर नेताओं के भाषण सुने व अपना समर्थन व्यक्त किया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में सम्बोधित करते हुए उत्तर प्रदेष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के महामंत्री कामरेड शिवबरन सिंह यादव ने धरने पर बैठे सैकड़ों कर्मचारियों को बताया कि दिनांक 01.01.2004 से सरकारी सेवा में आये कर्मचारियों से सामाजिक सुरक्षा रूपी गारंटीड पेंषन समाप्त किये जाने पर भारी रोष व्याप्त है व वार्ता तंत्र के अनेक दौर बीत जाने के बाद भी सरकार अपनी हठधर्मिता पर कायम है। कंफेडरेषन के उत्तर प्रदेष महामंत्री कामरेड रविन्द्र सिंह ने कहा कि इस कड़ाके की ठंड में धरने पर बैठे कर्मचारियों का जज्बा काबिले तारीफ है और यह द्योतक है कि अब सरकारी कर्मचारी पेंषन बहाली माँग को लेकर आर–पार की लड़ाई लड़ने के मूड में है। ए0आई0आर0एफ0 के जोनल सचिव कामरेड एस0यू0षाह ने कहा कि एन0जे0सी0ए0 ने वर्ष 2023 में के दौरान जमीनी संघर्ष से लेकर कैबिनेट सचिव व वित्त सचिव स्तरीय अनेक दौर की वार्ताओं के माध्यम से पुरानी पेंषन बहाली का प्रयास किया किन्तु सरकार के कानों में अभी तक जूँ नहीं रेंगी। इस अवसर पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष श्री एन0डी0द्विवेदी ने कहा कि सरकार से बाहर रहते हुए माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेष श्री आदित्य योगी जी ने पुरानी पेंषन बहाली मांग के लिए भारत सरकार को पत्र लिखकर समर्थन दिया था किन्तु आज सरकार में रहते हुए वे इस मांग पर उदासीन हैं। इस अवसर पर महिला नेत्री व परिषद की जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता त्रिपाठी ने कहा कि आज के क्रमिक भूख हड़ताल धरने में महिलाओं व युवाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी से यह स्पष्ट है कि एन0जे0सी0ए0 के आहवान पर वे हड़ताल में भाग लेंगें व इसे सफल बनायेंगें। कामरेड एच0एन0मिश्रा, अध्यक्ष, डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ, कामरेड विवेक सचान, अध्यक्ष लोको रनिंग शेड, कामरेड संतोष तिवारी, अध्यक्ष, विषिष्ट बी0टी0सी0 षिक्षक एसोसिएषन, कामरेड अमित शर्मा, शाखा मंत्री, एस0एण्ड टी0, कामरेड दिवाकर राय, उपाध्यक्ष, संयुक्त परिषद, दूरदर्षन से कामरेड एस0बी0सिंह, महासचिव पोस्टल से कामरेड मुकेष सिंह, मंडल सचिव, आयकर से कामरेड आतिज द्विवेदी, संयुक्त सचिव सेवानिवृत्त डि0इंजी0 सं0 के इं0 षिवषंकर दुबे, रवि भाटिया, परिषद के अपर महामंत्री डा0 नरेष कुमार परिषद के मण्डल अध्यक्ष इं0 डी0बी0सिंह व आदि ने भी हड़ताल की तैयारियों के पेषत्तर इस चार–दिवसीय क्रमिक भूख हड़ताल को चेतावनी के रूप में लेने के लिए केन्द्र सरकार व राज्य सरकार का आहवान किया। धरना 11 जनवरी, 2024 तक निर्वाध रूप से जारी रहेगा।

ताज इंटरनेट का हुआ शुभारंभ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर आज के दौर में प्रत्येक व्यक्ति इंटरनेट कंप्यूटर और मोबाइल के सहारे के बिना कोई कार्य नहीं कर सकता है। इंटरनेट जीवन का एक अभिन्न अंग सा बन गया है जो लोग अपने घरों पर यह काम नहीं कर सकते वह साइबर कैफे का इस्तेमाल करते हैं ऐसे में जनपद में एक और साइबर कैफे ताज इंटरनेट का अंबेडकर तिराहा स्थित उनके बड़े पिता आजाद खान ने फतिया पढ़ते हुए उद्घाटन किया। इस अवसर पर इंटरनेट संचालक मोहम्मद ताज ने वरिष्ठ पत्रकार श्रीवास्तव व आजाद बाबा को अंगवस्त्रंम और माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया।इस मौके पर तमाम शुभचिंतक मो इस्लाम ,दिलीप श्रीवास्तव दीपक श्रीवास्तव पंकज प्रजापति काजू सिंह रुस्तम अली कार्तिक यादव सुरेश यादव आदि उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन परिसर में किया धरना प्रदर्शन

अयोध्या। पुरानी पेंशन बहाली मंच के तत्वाधान में पुरानी पेंशन बहाली को लेकर आंदोलित कर्मचारियों एवं शिक्षकों ने पुरानी पेंशन स्कीम बहाली संयुक्त मंच के सर्वसम्मत फैसले के क्रियान्वन में 1 जनवरी 2004 और उसके बाद से नौकरी में आए हुए सभी कर्मचारियों को सेवानिवृत्त उपरांत सामाजिक सुरक्षा के लिए एनपीएस के स्थान पर ओपीएस बहाल करने में सरकार द्वारा उदासीन रवैये अपनाए जाने के विरोध में नेतृत्व के आवाह्न पर क्रमिक अनशन भूख हड़ताल में प्रतिभाग कर नई पेंशन स्कीम का विरोध मण्डल स्तरीय धरना रेलवे स्टेशन अयोध्या कैंट के सामने किया।पूर्व में आंदोलित केंद्र और राज्य कर्मचारियों ने एक जनमत संग्रह करा कर इस बात का स्पष्ट संकेत दिया है कि वह शत प्रतिशत हड़ताल के पक्ष में हैं। यदि सरकार पुरानी पेंशन बहाल नहीं करती है तो केंद्रीय एवं राज्य कर्मचारी और शिक्षक हड़ताल को मजबूर होंगे जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।क्रमिक अनशन एवं हड़ताल का नेतृत्व शमीम अहमद मण्डलीय मंत्री प्राथमिक शिक्षक संघ एवं संचालन प्रेम कुमार वर्मा जिला मंत्री प्रा०शिक्षक संघ ने किया।धरने में अंजुम मुख्तार खान शाखा अध्यक्ष एनआर एमयू,हीरालाल शाखा मंत्री एनआरएमयू, वी०बी०सिंह उपाध्यक्ष ,एम०एन०मिश्रा सहायक मंत्री ,राजकुमार प्रिंस , प्रवीण पटेल, डीके त्रिपाठी, प्रभाकर ,रमाकांत यादव, कपिल देव ,देव आनंद,अमित यादव,सौरभ पाण्डेय ,अरविंद कुमार सिंह (जिलाध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद)राम प्रकाश सिंह ,डेनियल भारती ,डॉ राजेश कुमार सिंह, कमला प्रसाद यादव (वरिष्ठ उपाध्यक्ष)डॉक्टर संजय सिंह (जिला अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ),विश्वनाथ सिंह (प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष), अनिल प्रजापति (जिला अध्यक्ष विशिष्ट बीटीसी वेलफेयर एसोसिएशन अयोध्या), राजकुमार मिश्रा क्षेत्रीय अध्यक्ष आयकर विभाग,रामअनुज मौर्य क्षेत्रीय अध्यक्ष डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ,गिरजेश क्षेत्रीय महामंत्री,मनोज वर्मा जिलाध्यक्ष डिप्लोमा इंजी०संघ, सूर्यभान सिंह (जिलाध्यक्ष अंबेडकर नगर), राजेंद्र पांडेय(जिलाध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ सुल्तानपुर),वीरेंद्र सिंह (जिलध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ अमेठी),विनय सिंह (जिलाध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ अंबेडकर नगर),वीरेंद्र सिंह (जिलाध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ अमेठी)विजय प्रताप सिंह बाराबंकी ,राज नारायण सिंह,सचिन त्रिपाठी, अवधेश यादव, गजेंद्र सिंह, प्रदीप सिंह,विकास सिंह,रामजस,कृष्णदेव पांडेय,गंगाप्रसाद तिवारी,दीपक तिवारी ,रणजीत सिंह ,अनिल वर्मा जू०हा०शिक्षक संघ अम्बेडकरनगर,रामकिशोर मौर्य ,प्रमोद सिंह,शिवकुमार मौर्य जिलाध्यक्ष सफाई कर्मचारी संघ अम्बेडकर नगर,मो०इसरार सुरेश कुमार,कुलदीप,रामप्रीत,रामअजोर पंकज,माधवप्रसाद ,ब्रम्हदेव मिश्र ,रमेश तिवारी जिलाध्यक्ष प्रा०शिक्षक संघ सुल्तानपुर ,अनिलकुमार सिंह जिलाध्यक्ष ग्राम विकास अधिकारी संघ अम्बेडकर नगर ,गंगाराम गुप्ता कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

कमरे में सो रही महिला उसके तीन बच्चे विद्युत शार्ट सर्किट की आग से झुलसे,हालत गंभीर

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) तारुन थाने की गयासपुर चौकी क्षेत्र के ग्राम महरई मोहम्मदपुर में रविवार की आधी रात विद्युत शार्ट सर्किट के चलते लगी आग की चपेट में आकर कमरे में सो रही राम मिलन विश्वकर्मा की बहू व उसके तीन बच्चे गम्भीर रूप से झुलस गये हैं। आग की लपटों से घिरी महिला व उसके बच्चों की चीख पुकार सुनकर पड़ोसियों ने दरवाजा तोड़कर उन्हें गम्भीर रूप से घायलावस्था में बाहर निकाला। गांव निवासी अनूप सिंह व ग्राम प्रधान विश्वास सिंह तथा चौकी इंचार्ज मिथलेश सिंह ने बताया कि घायलों को पहले दर्शननगर ट्रामा सेंटर इलाज को ले जाया गया लेकिन हालत गम्भीर होने पर उन्हें लखनऊ ट्रामा सेंटर डॉक्टर ने रिफर कर दिया।वहां सभी का इलाज चल रहा है। घायल महिला का पति अहमदाबाद में रोजी रोटी के सिलसिले में रहकर प्राइवेट नौकरी करता हैं।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।